Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25
www.dainikvishwapariwar.com
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 15 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 14 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

प्रदेश को मिले 5 नए शासकीय मेडिकल कॉलेज

- सीएम साय ने पीएम मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा का जताया आभार
- डबल इंजन सरकार में चिकित्सा शिक्षा का ऐतिहासिक विस्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से गीदम (दंतेवाड़ा), कुनकुरी (जशपुर), मनेन्द्रगढ़, जांजगीर-चांपा एवं कबीरधाम में 50-50 एमबीबीएस सीटों वाले 5 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में एक साथ कुल 250 नई एमबीबीएस सीटों का विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास का ऐतिहासिक पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में स्वास्थ्य और शिक्षा सबसे बड़ी पूंजी हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य ऐसा सुदृढ़, समावेशी और आधुनिक स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना है, जहाँ प्रदेश का कोई भी युवा डॉक्टर बनने के अपने सपने से वंचित न रहे और किसी भी नागरिक को बेहतर उपचार के लिए दूर-दराज़ के शहरों का रुख न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे गीदम (दंतेवाड़ा) से लेकर उत्तर छत्तीसगढ़ के आदिवासी वनांचल कुनकुरी (जशपुर) तक नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन सरकार विकास के अवसरों को प्रदेश के अंतिम छोर तक पहुँचा रही है। यह केवल नए संस्थानों की स्थापना नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने और दूरस्थ अंचलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत नींव रखने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन ला रही है। प्रदेश के दूरस्थ, आदिवासी और आकांक्षी क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से स्थानीय युवाओं को अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी और क्षेत्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी व्यापक सुधार आएगा। मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा के प्रति समस्त छत्तीसगढ़वासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य अधोसंरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नए मेडिकल कॉलेज केवल शैक्षणिक संस्थान नहीं होंगे, बल्कि चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं और स्थानीय मानव संसाधन विकास के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित होंगे। इससे न केवल डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार होगी, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर उपचार की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी, प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई दिशा देगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएगी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र

विधानसभा में राम मंदिर चंदा चोरी मुद्दे पर हंगामा

- भूपेश बोले- लोगों ने चंदा दिया, डकैती पड़ गई
- रमन बोले- राज्य का विषय नहीं, कार्यवाही स्थगित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में सोमवार को राम मंदिर के चंदे में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत समेत कांग्रेस विधायक चंदा चोरी के पोस्टर लेकर सदन पहुंचे। महंत ने आरोप लगाया कि रामभक्तों की आस्था के साथ धोखा हुआ है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा कि यह विधानसभा और राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने स्थगन प्रस्ताव को छत्तीसगढ़ से संबंधित नहीं होने के कारण अस्वीकार कर दिया। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही पहले पांच मिनट के लिए स्थगित की गई। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच नारेबाजी जारी रही। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ के लोगों ने भी राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा दिया था, लेकिन उसमें डकैती पड़ गई। लगातार हंगामे के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छाप

पीएम मोदी ने न्यूजीलैंड के पीएम को भेंट की बस्तर की ट्री ऑफ लाइफ शिल्पकृति

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि उस समय दर्ज हुई, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री श्री क्रिस्टोफर लक्सन को छत्तीसगढ़ के बस्तर की विश्वविख्यात ढोकरा ट्री ऑफलाइफ(जीवन वृक्ष) धातु शिल्पकृति भेंट की। प्रधानमंत्री की इस विशिष्ट कूटनीतिक सौगात ने न केवल बस्तर की हजारों वर्ष पुरानी जनजातीय कला को वैश्विक पहचान दिलाई है, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि, पारंपरिक शिल्प कौशल और आदिवासी विरासत को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान की है।

यह अवसर पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। राज्य की जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराएं और पारंपरिक हस्तशिल्प आज वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को भेंट के लिए बस्तर की ढोकरा शिल्पकृति का चयन इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ की लोककला आज विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं और पारंपरिक शिल्पों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से कलाकारों तथा शिल्पकारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका सकारात्मक परिणाम है कि आज बस्तर की ढोकरा कला जैसी पारंपरिक विरासत वैश्विक कूटनीतिक उपहार का हिस्सा बनकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा रही है।

संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ भी राज्य की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन और प्रचार-प्रसार के लिए लगातार प्रयासरत है। संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में विभाग लोककला, जनजातीय परंपराओं और पारंपरिक शिल्प को नई पीढ़ी से जोड़ने तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में अनेक पहल कर रहा है। ढोकरा शिल्पकृति का वैश्विक स्तर पर सम्मानित होना इन प्रयासों की सार्थकता को भी रेखांकित करता है। बस्तर की ढोकरा कला विश्व की सबसे प्राचीन धातु शिल्प परंपराओं में से एक मानी जाती है।

सेना भर्ती परीक्षा परिणाम घोषित

- भर्ती रैलियां जुलाई से शुरू होंगी

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय सेना ने रायपुर स्थित सेना भर्ती कार्यालय के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों के लिए आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। यह परीक्षा 1 से 12 जून, 2026 तक राज्य भर के 10 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी और इसके परिणाम 12 जुलाई, 2026 को घोषित किए गए।

उम्मीदवार अपने परिणाम भारतीय सेना की आधिकारिक भर्ती वेबसाइट पर देख सकते हैं। परिणाम रायपुर स्थित सेना भर्ती कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किए गए हैं। अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट/स्टोर कीपर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन, अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस और नियमित कैडर जैसे जूनियर कमीशंड ऑफिसर, नर्सिंग असिस्टेंट और सिपाही फार्मा सहित विभिन्न श्रेणियों में भर्ती के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन में उत्तीर्ण होने वाले उम्मीदवार अब अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार भर्ती प्रक्रिया के अगले चरणों से गुजरेंगे, जिसमें शारीरिक फिटनेस टेस्ट, शारीरिक माप परीक्षण, दस्तावेज़ सत्यापन और चिकित्सा परीक्षा शामिल हैं।

सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल के अंतर्गत हवलदार (सेना शिक्षा) और कनिष्ठ कमीशंड अधिकारी (धार्मिक शिक्षक) पदों के लिए भर्ती रैली 25 जुलाई से 6 अगस्त, 2026 तक मध्य प्रदेश के सीहोर स्थित स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित की जाएगी। सिपाही फार्मा, सिपाही तकनीकी नर्सिंग सहायक और अग्निवीर महिला सैन्य पुलिस पदों के लिए भर्ती रैलियां अक्टूबर 2026 में आयोजित की जाएंगी। छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों के पुरुष उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट/स्टोर कीपर टेक्निकल और अग्निवीर ट्रेड्समैन के पदों के लिए भर्ती रैली जनवरी 2027 में आयोजित की जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री मोतीलाल वोरा की पत्नी शांति वोरा का निधन

- कांग्रेस में शोक की लहर

रायपुर (विश्व परिवार)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, अविभाजित मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व राज्यपाल स्व. मोतीलाल वोरा की पत्नी शांति वोरा का निधन हो गया है। बता दें कि शांति वोरा 91 वर्ष की थीं और लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। रविवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें दुर्ग के शंकराचार्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान आज उनका निधन हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेसी नेताओं ने शोक जताया है।

भूपेश बघेल ने जताया शोक

भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता, अविभाजित मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय बाबू जी स्व. मोतीलाल वोरा जी की धर्मपत्नी एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक श्री अरुण वोरा जी की पूज्य माता शांति वोरा के निधन का समाचार दुःखद है. ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल वोरा परिवार और सभी परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें. ॐ शांति।

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने जताया शोक

ताम्रध्वज साहू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय स्वर्गीय श्री मोतीलाल वोरा जी की धर्मपत्नी तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा की पूज्य माताश्री, शांति वोरा का आज, 13 जुलाई 2026 को निधन हो गया। यह समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल वोरा परिवार एवं समस्त शुभचिंतकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति।

'सुरक्षा की बात अपनों के साथ' में पुलिस-कमिश्नर संजीव शुक्ला

नाबालिगों को वाहन न दें, स्कूल में भी अनिवार्य होगी चेकिंग

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने शहरवासियों से नाबालिगों को वाहन न देने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। वे रविवार को सोशल मीडिया पर 'सुरक्षा की बात अपनों के साथ' स्ट्रीमिंग से लोगों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सडक़ हादसों के विश्लेषण में सामने आया है कि कई हादसों में नाबालिग या तो वाहन चलाते हुए घायल हुए या उनकी वजह से दूसरे शिकार हुए।

नाबालिगों को वाहन देना कानूनन अपराध है। परिजन 18 साल से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने न दें। बगैर लाइसेंस वाहन लेकर आए छात्रों को स्कूल में एंट्री न मिले। पिछले कुछ वर्षों के सडक़ हादसों में 60त्न से अधिक दोपहिया वाहन चालकों की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई है। यदि वे हेलमेट पहनते तो उनकी जान बच सकती थी। कम उम्र में ही बच्चों के हाथ में दोपहिया या चार पहिया वाहनों की चाबी थमा देना कितना आत्मघाती साबित हो रहा है, इसका खुलासा ट्रैफिक्र पुलिस के आंकड़ों से हुआ है। आंकड़ों के अनुसार पिछले डेढ़ साल में 28 नाबालिगों की सडक़ हादसों में मौत हुई है, जबकि 85 नाबालिग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पिछले डेढ़ साल में हादसों में जान गंवाने वाले 28 नाबालिगों में 19 लडक़े और 9 लड़कियां हैं। वहीं 85 गंभीर घायलों में 56 लडक़े और 29 लड़कियां हैं। ये वे आंकड़े हैं, जिनकी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज हुई है। जबकि इससे तीन गुना ज्यादा ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें मामूली चोट आई या सिर्फ वाहन का नुकसान हुआ। इनमें रिपोर्ट तक दर्ज नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ में छात्रों का आधार-बायोमेट्रिक अपडेट होगा

रायपुर में इस महीने होगी शुरुआत, डेटा तैयार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में पढऩे वाले विद्यार्थियों का आधार बायोमेट्रिक अपडेट अब तेजी से किया जाएगा। राजधानी रायपुर में भी इसी महीने विशेष शिविर शुरू होने की तैयारी है। इसके लिए विद्यार्थियों का डेटा तैयार कर लिया गया है। कलेक्टर की अनुमति मिलते ही स्कूलों में शिविर लगाकर बायोमेट्रिक अपडेट का काम शुरू कर दिया जाएगा। दरअसल, प्रदेशभर में ऐसे विद्यार्थियों की पहचान की जा रही है, जिनका आधार बायोमेट्रिक अपडेट लंबित है। इसी कड़ी में कई जिलों में संकुल स्तर पर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।

सूरजपुर जिले में इसकी शुरुआत हो चुकी है, जहां 22 स्कूलों में 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों के आधार बायोमेट्रिक अपडेट किए जाएंगे। इसमें 5 से 15 वर्ष और 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बच्चों के फिंगरप्रिंट और आईरिस समय के साथ बदलते हैं। इसलिए यूआईडीएआई के नियमों के अनुसार 5 से 15 वर्ष और 15 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद आधार का बायोमेट्रिक अपडेट कराना जरूरी होता है। अपडेट नहीं होने पर आधार आधारित कई सेवाओं में दिक्कत आ सकती है। शिविरों में आधार बायोमेट्रिक अपडेट के बाद विद्यार्थियों की जानकारी यू-डाइस पोर्टल पर भी अपडेट की जाएगी।

ताकि स्कूल रिकॉर्ड और आधार का मिलान सही रहे। स्कूलों को विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने और पालकों को पहले से सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। इन शिविरों में विद्यार्थियों के अलावा 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों का नया आधार पंजीयन और आयुष्मान कार्ड के लिए आधार ई-केवाईसी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इससे अभिभावकों को एक ही स्थान पर कई आधार संबंधी सेवाएं मिल सकेंगी। रायपुर समेत अन्य जिलों में भी यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी। राजधानी में प्रशासनिक अनुमति मिलने के बाद इसी महीने स्कूलों में विशेष आधार शिविर लगाए जाएंगे।

रायपुर जिला शिक्षा प्रकोष्ठ का वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं संघटनात्मक बैठक संपन्न हुई

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आवाहन 'एक पेड़ माँ के नाम' पर एवं उनके स्वर्णिम प्रधानमंत्री पद के 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी-शिक्षा प्रकोष्ठ जिला रायपुर की मासिक संगठनात्मक बैठक एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुई 7 उक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम में 50 से अधिक पौधे रोपित किए गए एवं कार्यकर्ताओं द्वारा संयुक्त सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

इसके उपरांत बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं शिक्षा प्रकोष्ठ की भावी कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यकर्ताओं के प्रथम आंजनेय विश्वविद्यालय आगमन पर उन्हें जिला संयोजक व विश्वविद्यालय संचालक श्री अभिषेक अग्रवाल जी द्वारा सम्मान स्मृति चिह्न भेंट की गई।

बैठक सकारात्मक एवं सार्थक वातावरण में संपन्न हुई। सभी साथियों ने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु पूर्ण समर्पण एवं सक्रियता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

उक्त बैठक में भा.ज.पा शिक्षा प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक सुश्री हरशीला रूपाली शर्मा , जिला संयोजक अभिषेक अग्रवाल , सहसंयोजक निलेश पांड , कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप जोशी जी , जिला मीडिया प्रभारी बिमलेन्द्र तिवारी जी , जिला सोशल मीडिया प्रभारी श्री श्याम सुंदर अग्रवाल जी , कार्यालय प्रभारी श्री अजय कुमार सिंह जी एवं सह कार्यालय प्रभारी श्री आकाश पांडे जी एवं श्री प्रखर शर्मा जी , सोशल मीडिया सहसंयोजक श्री अनूप यदु जी एवं शिक्षा प्रकोष्ठ के विभिन्न दायित्ववान कार्यकर्तागण उपस्थित हुए।

माता साहिब-हासीदेवी की 200वीं जयंती पर लगाए गए पौधे

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफइंडिया छत्तीसगढ़ युवा विंग, महिला विंग ने माता साहिब हासीदेवी की 200वीं जन्म जयंती के अवसर पर एक पेड़ माता के नाम अभियान के तहत अष्टविनायक गुलमोहर ग्रीन, सेजबहार (रायपुर) में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि शदाणी दरबार की पूज्य माता साहिब हासीदेवी की 200वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में शदाणी दरबार के संत युधिष्ठिर लाल जी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 200 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, रायपुर

विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंदे साहू विशेष रूप से मौजूद रहे। युवा विंग अध्यक्ष जीतू लोहाना ने सभी अतिथियों का आभार जताया।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, युवा विंग अध्यक्ष जीतू लोहाना, अष्टविनायक के एमडी विक्की लोहाना, महामंत्री सुनील कुकरेजा, संजय जैसिंघ, मोहन वलयानी, डॉ. एन.डी. गजवानी, पवन लोहाना, महिला विंग अध्यक्ष काजल सचदेव, महामंत्री लक्ष्मी बजाज, चंचलानी, उपाध्यक्ष रितेश वाधवा, धनेश मटलानी, अभय आठवानी, सुमीत आठवानी, हेमंत मेघानी, मनीष तलरेजा, राजकुमार तलरेजा, विशाल नारंग, लक्की कुकरेजा, युवा विंग टीम से रोशन ओछवानी, हरीश मांगतानी, राज कुकरेजा, रवि विजवानी, आशीष वासवानी, अविनाश खेतपाल, विशाल सचदेव मौजूद रहे।

माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा वृक्षारोपण किया गया

रायपुर (विश्व परिवार) । माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा साइंस कॉलेज मैदान में एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण किया गया, जिसमें 51 पेड़ लगाया गया नीम, कचनार, गुलमोहर, आंवला का वृक्ष लगाया गया । मुख्य अतिथि के रूप में साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमिताभ बैनर्जी उपस्थित हुए । डॉ. बी पी त्रिपाठी, गणित विभाग प्रमुख वीणा राव उपस्थित हुई ।

ट्रस्ट से डॉ. नीता गुरु गोस्वामी संगठन प्रभारी, श्रीमती कल्पना शुक्ला जिला अध्यक्ष, मनोरमा वाजपेई सुंदर नगर प्रभारी, संध्या तिवारी कुंज बिहारी चौक प्रभारी, लक्ष्मी अवस्थी डगनिया प्रभारी, राधा साहू, सरोज शुक्ला, रवि तिवारी, गजेंद्र तिवारी, सुनील पंडा ,मनोज शर्मा ,राहुल शर्मा ,डॉ. कैलाश पारिता, सी. एल. देवांगन, उपस्थित रहे । ट्रस्टी अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) ने इस पवित्र कार्य के लिए सभी को साधुवाद दिए ।

इंटरैक्ट क्लब ऑफ रायपुर एलीट ने नए अध्याय की शुरुआत की

रायपुर (विश्व परिवार)। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलीगेंस द्वारा प्रायोजित इंटरैक्ट क्लब ऑफ रायपुर एलीट का रोटरी वर्ष 2026-27 का स्थापना समारोह 12 जुलाई 2026 को उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि रोटेरियन भारत डागा, विशिष्ट अतिथि रोटेरियन विनय अग्रवाल तथा विशेष अतिथि डिस्ट्रिक्ट सह-अध्यक्ष, इंटरैक्ट समिति, रोटेरियन अस्मित मक्कर ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें रोटरी के आदर्श वाक्य 'सेवा ही सर्वोपरि' के अनुरूप समाज सेवा, नेतृत्व एवं नैतिक मूल्यों के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी इस प्रकार है- धिविज डागा अध्यक्ष, एशले जसवानी उपाध्यक्ष, नीति मुंधड़ा सचिव, सौदामिनी तिवारी संयुक्त सचिव, मुदित बड़वानी कोषाध्यक्ष, गर्व शर्मा सार्जेंट-एट-आर्म्स, भाविनी झावर जनसंपर्क एवं मीडिया निदेशक, अर्थ पालीवाल जनसंपर्क एवं मीडिया निदेशक। यह स्थापना समारोह मेंटर रोटेरियन निक्की जैन तथा सह-मेंटर रोटेरियन रुचिका अग्रवाल एवं रोटेरियन शिल्पी अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन तथा रोटरी क्लब ऑफरायपुर एलीगेंस के पूर्ण सहयोग से संपन्न हुआ।

यह समारोह एक नए एवं ऊर्जावान रोटरी वर्ष की शुरुआत का प्रतीक बना, जिसमें नव-स्थापित इंटरैक्टर्स ने समाज सेवा, नेतृत्व कौशल के विकास तथा अपने समुदाय में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाने का संकल्प लिया।

निगम ने अवैध रूप से निर्मित दुकानो को तोड़ा

रायपुर। आज नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 6 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा नगर निगम जोन 6 क्षेत्र में डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 61 के क्षेत्र के अंतर्गत भर्री खार भाठागांव में अवैध रूप से लगभग 1200 वर्गफीट क्षेत्र में निर्मित 4 अवैध दुकानो को जेसीबी मशीन की सहायता से नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन एव स्थल पर कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, सहायक अभियंता आशीष श्रीवास्तव, उपअभियंता सागर ठाकुर की उपस्थिति में तोडने की कार्यवाही की गई।

:: इश्तिहार ::

जयनगर-सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं क्रेता कौशल किशोर पिता स्व. सुखसागर महतो विक्रेता हरि सिंह पिता जोगेन्दर सिंह से सत्र 1996 में एक प्लाट खरीदा था। जिसका प्लाट नं 271/13 जो कि 1500 स्क्वायर फिट है। जिसकी रजिस्ट्री पेपर बिश्रामपुर सूरजपुर के बीच कही गिर गया। जिसकी गुमसुदगी की रिपोर्ट थाना बिश्रामपुर में किया गया हूं। जो कि न्याय हित में जरूरी है।

आवेदक
कौशल किशोर ग्राम शिवनन्दनपुर, थाना विश्रामपुर तहसील व जिला सूरजपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33130/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33130
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR446L00611 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती LEELARAM DURGHA पिता/पति, श्री/श्रीमती LT. TIRATH DAS DURGHA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती LILARAM DURGHA पिता/पति, श्री/श्रीमती SW. TIRATH RAM DURGHA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33124/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33124
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR651J00816 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RISHI SEN पिता/पति, श्री/श्रीमती ANAND RAM SEN के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती AMIT KUMAR GUPTA AND KRITI GUPTA पिता/पति, श्री/श्रीमती SURESH KUMAR GUPTA AND AMIT KUMAR GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./33104/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33104
वार्ड का नाम-47 - मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR344F0037B जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ANANDRAM पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SANMUKH DAS के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SANTOSH DULANI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LATE. ANANDRAM DULANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आपसी बंटवारानामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33114/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33114
वार्ड का नाम- 56 - ले अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR446G00001 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती K. PADAMAVATI पिता/पति, श्री/श्रीमती K. S. PRASAD के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती KUNAPULI SATYANARAYAN PRASAD पिता/पति, श्री/श्रीमती SW. K. S. RAMCHANDRA RAO ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33027/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33027
वार्ड का नाम- 56 - ले अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR446A00313 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MUKESH ROCHLANI पिता/पति, श्री/श्रीमती FERUMAL ROCHLANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. AJAY BALANI 2. SEEMA BALANI पिता/पति, श्री/श्रीमती 1. SW. RAMESH KUMAR BALANI 2. AJAY BALANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./33073/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33073
वार्ड का नाम-47 - मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR443F00012 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MAITHALI BAI पिता/पति श्री/श्रीमती W/O MR. SHYAM SUNDER BHOI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. KAILASH CHANDRA BHOI 2. VYAS DEO BHOI 3. NIMAI CHARAN BHOI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LATE. SHYAM SUNDER BHOI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./33093/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33093
वार्ड का नाम-47 - मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR344F00037 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ANANDRAM पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SANMUKH DAS के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RAJKUMAR DULHANI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LATE. ANANDRAM DULHANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./33099/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33099
वार्ड का नाम-47 - मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR344F0037A जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ANANDRAM पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SANMUKH DAS के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती VINOD DULHANI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LATE. ANANDRAM DULHANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आपसी बंटवारानामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./33185/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 13-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33185
वार्ड का नाम-48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR344I00253 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MOTILAL पिता/पति श्री/श्रीमती S/O RAMDAS PUNDIT के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती शांति देवी** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति - स्व. श्री मोतीलाल पंडित** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /33179/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 10-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33179
वार्ड का नाम- 51 - लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 51 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR328ZD0145 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAMESH LAL DODAI , VINAY DAMMANI पिता/पति, श्री/श्रीमती LT. LAXMAN DAS DODAI , VIJAY KUMAR DAMMANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **खगेश्वर रात्रे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **परशुराम रात्रे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कालोनी गुढियारी रायपुर** में निर्मित जनता योजना में से भवन क्र. **जनता-454, श्री डी. लोकेश राम पिता स्व. श्री डी. लक्ष्मण राव** को भाड़ाक्रय आधार पर नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक 20.03.1994** को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन **श्रीमती इरवशी बाई दीवान पति श्री घनश्याम धर दीवान** के पक्ष में **दिनांक 03.09.2024** को विक्रय कर दिया।

तद्रुपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन क्रेता **श्रीमती इरवशी बाई दीवान पति श्री घनश्याम धर दीवान** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मिल रही नई दिशा

- महतारी वंदन योजना बनी महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई पहचान
- नियमित सहायता राशि से बदल रहा परिवारों का जीवन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना हजारों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत नियमित रूप से मिल रही आर्थिक सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के विकासखंड गौरेला के ग्राम पंचायत डुमरिया की श्रीमती बसंती धुर्वे इसका प्रेरणादायक उदाहरण है।

श्रीमती बसंती धुर्वे ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना की 29वीं किस्त की राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त हो गई है। इस राशि से उन्हें दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति, घरेलू खर्चों के बेहतर प्रबंधन तथा परिवार की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित आर्थिक सहायता मिलने से अब वे अधिक आत्मविश्वास के साथ परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सहभागी बन रही हैं।

श्रीमती बसंती धुर्वे का कहना है कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को सम्मान, आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान के साथ जीवन जीने का अवसर भी प्रदान कर रही है। योजना से मिलने वाली राशि महिलाओं को छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर रहने से मुक्त कर रही है तथा उन्हें परिवार के निर्णयों में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसी जनकल्याणकारी योजना लागू की है, जिसका लाभ सीधे महिलाओं तक पहुंच रहा है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके जीवन में आत्मविश्वास, सुरक्षा और सम्मान की भावना भी विकसित कर रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन के कारण महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेशभर की लाखों महिलाओं तक नियमित रूप से पहुंच रहा है। योजना महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने, परिवारों की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने तथा समावेशी विकास के राज्य सरकार के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

महतारी वंदन योजना आज प्रदेश की महिलाओं के लिए केवल एक आर्थिक सहायता ही नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भरता, सम्मान और सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने और उनके जीवन स्तर में सतत सुधार लाने की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य कर रही है।

मैट्स विश्वविद्यालय में एजेंटिक एआई पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स विश्वविद्यालय, आरंग स्थित मैट्स स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमएसईआईटी) के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के लिए एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एजेंटिक एआई) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति डॉ. अमर शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान एवं प्रदर्शन सत्र के दौरान एजेंटिक एआई की अवधारणा, संरचना, कार्यप्रणाली, अनुप्रयोगों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने स्वायत्त निर्णय-निर्माण, कार्यप्रवाह स्वचालन तथा एआई एजेंट्स के वास्तविक जीवन में बढ़ते उपयोग को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. (डॉ.) के. पी. यादव ने विद्यार्थियों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। निदेशक डॉ. बृजेश पटेल ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों से जोड़ने तथा उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक गुरु के नेतृत्व में तथा डॉ. अराधना कुमारी सिंह एवं अन्य संकाय सदस्यों के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त, साइबर सुरक्षा और सॉफ्टवेयर विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एजेंटिक एआई के अनुप्रयोगों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने हैंड्स-ऑन सत्र के माध्यम से आधुनिक एआई टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यशाला में बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर नई तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान अर्जित किया।

चौथे स्तम्भ के रूप में सजग पत्रकारिता राज्य के विकास और जन-सरोकारों को देती है नई दिशा : भाजपा

- भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने उत्कृष्ट पत्रकार सम्मान के लिए चयनित पत्रकारों को दी बधाई एवं शुभकामनाएँ

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने राज्य के विधानसभा में रिपोर्टिंग के लिए उत्कृष्ट पत्रकार सम्मान के लिए चयनित मीडिया जगत के वरिष्ठ पत्रकारों को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। श्री पाण्डेय ने इसे निष्पक्ष और सजग पत्रकारिता का सम्मान बताया है।

श्री पाण्डेय ने अपने बधाई संदेश में कहा कि प्रिंट मीडिया श्रेणी में 'पत्रिका' के वरिष्ठ पत्रकार संतराम साहू को उत्कृष्ट पत्रकार चुना जाना उनके वर्षों के जमीनी अनुभव और उत्कृष्ट लेखन का परिणाम है; वहीं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया श्रेणी में 'आईबीसी-24' के वरिष्ठ पत्रकार द्वय सौरभ सिंह परिहार और राजेश राज ने अपनी प्रखर और जिम्मेदार पत्रकारिता से प्रदेश के जन-सरोकारों को हमेशा प्रमुखता से उठाया है। श्री पाण्डेय ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता समाज को आईना दिखाने और शासन-प्रशासन तक जनता की आवाज पहुँचाने का सबसे सशक्त माध्यम है। सम्मानित पत्रकारों ने अपनी कार्यकुशलता, सत्यनिष्ठा और समर्पण से पत्रकारिता के उच्च मानकों को स्थापित किया है। श्री पाण्डेय ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान प्रदेश के अन्य युवा पत्रकारों को भी निष्पक्ष और जनहितैषी पत्रकारिता के लिए प्रेरित करेगा।

प्रदेश की औद्योगिक परियोजनाओं के लिए सुदृढ़ हुई विद्युत पारेषण व्यवस्था

- लिटिया सेमरिया 220/132 केवी उपकेंद्र में 320 एमवीए ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी के दो पावर ट्रांसफार्मरों का सफल ऊर्जीकरण

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश की पारेषण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला के करकमलों द्वारा 220/132 केवी लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में स्थापित 160-160 एमवीए क्षमता के दो 220/132 केवी पावर ट्रांसफार्मरों का सफलतापूर्वक ऊर्जीकरण किया गया। प्रथम ट्रांसफार्मर का ऊर्जीकरण सायं 5:22 बजे तथा द्वितीय ट्रांसफार्मर का ऊर्जीकरण सायं 5:27 बजे किया गया। दोनों ट्रांसफार्मरों के सफल ऊर्जीकरण से उपकेंद्र में 320 एमवीए की अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी (Transformation Capacity) उपलब्ध हो गई है।

इस परियोजना से राजनांदगांव एवं दुर्ग क्षेत्र की पारेषण व्यवस्था को उल्लेखनीय मजबूती मिलेगी। बढ़ती विद्युत मांग के अनुरूप विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा तथा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पारेषण तंत्र भी अधिक सक्षम बनेगा।

प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने इस उपलब्धि पर परियोजना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास एवं उपभोक्ताओं को विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए पारेषण नेटवर्क का निरंतर विस्तार और आधुनिकीकरण किया जा रहा है। लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में उपलब्ध हुई अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी से न केवल वर्तमान विद्युत मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप भी पर्याप्त क्षमता उपलब्ध रहेगी।

2200 करोड़ रू. रोककर भाजपा सरकार ने जल जीवन मिशन का गला घोंट दिया: वंदना

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार की असंवेदनशीलता और वित्तीय कुप्रबंधन ने जल जीवन मिशन को पूरी तरह संकट में धकेल दिया है। लगभग 2200 रू. करोड़ का भुगतान महीनों से लंबित है, जिसके कारण पूरे प्रदेश में निर्माण कार्य ठप हैं, हजारों मजदूरों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है और निर्माण एजेंसियां आर्थिक बदहाली से गुजर रही हैं। ठेकेदार, निर्माण एजेंसियां और उनके प्रतिनिधि मुख्यमंत्री, संबंधित मंत्री और अधिकारियों के दरवाजे खटखटाते रहे, लेकिन भाजपा सरकार ने उनकी गुहार सुनने के बजाय चुप्पी साधे रखी। सरकार के पास प्रचार के लिए पैसा है, लेकिन विकास कार्य कराने वालों का भुगतान करने के लिए नहीं।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि हाल के दिनों में आर्थिक संकट से जुड़े बताए जा रहे कुछ ठेकेदारों की आत्महत्या की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। यदि भुगतान में देरी और आर्थिक दबाव इन घटनाओं से जुड़े पाए जाते हैं, तो इसकी नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी से सरकार बच नहीं सकती। इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि भाजपा के डबल इंजन के सरकार सभी लंबित भुगतानों का तत्काल भुगतान करें प्रभावित एजेंसियों को राहत दे, भुगतान में देरी की जवाबदेही तय की जाए और आर्थिक संकट से जुड़े बताए जा रहे हालिया मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए।सरकार का काम विकास कराना है, विकास रोकना नहीं; मेहनत का भुगतान करना है, उसे लटकाना नहीं; और जनता की समस्याओं का समाधान करना है, उनसे मुंह मोड़ना नहीं।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर आयोजित नि:शुल्क ओपीडी एवं ऑपरेशन शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

- 100 मरीजों ने कराया ओपीडी परीक्षण, 10 जरूरतमंद मरीजों की हुई नि:शुल्क सर्जरी

रायपुर (विश्व परिवार)। पिछले 36 वर्षों से हजारों मरीजों के जीवन में नई आशा, नया आत्मविश्वास और नई मुस्कान लौटाने वाले प्रख्यात बर्न, प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. सुनील कालड़ा द्वारा राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर आयोजित नि:शुल्क ओपीडी एवं ऑपरेशन शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

1 जुलाई से 7 जुलाई तक आयोजित इस नि:शुल्क ओपीडी शिविर में लगभग 100 मरीज परीक्षण कराने पहुंचे, जिनमें से 10 अत्यंत जरूरतमंद मरीजों का चयन कर उनकी नि:शुल्क सर्जरी की गई। यह पहल डॉ. कालड़ा की निरंतर समाज सेवा की भावना का प्रतीक है, जो वर्षों से असंख्य गरीब और जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बेहतर बनाने में जुटे हैं।

अपने चिकित्सकीय जीवन के 36 वर्षों में डॉ. कालड़ा ने न केवल बर्न पीड़ितों बल्कि जन्मजात विकृतियों, विशेष रूप से क्लेफ्ट लिप और क्लेफ्ट पैलेट से जूझ रहे हजारों बच्चों को भी नया जीवन दिया है। उनकी सेवाओं ने उन्हें न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई है।

डॉ. सुनील कालड़ा का मानना है कि चिकित्सा सेवा का उद्देश्य केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना है। इसी सोच के साथ वे वर्षों से ट्रांसजेंडर समुदाय का नि:शुल्क उपचार एवं सर्जरी में विशेष योगदान दे रहे हैं। साथ ही दीपावली, होली एवं अन्य प्रमुख त्योहारों के अवसर पर भी जरूरतमंद मरीजों के लिए नि:शुल्क उपचार एवं सर्जरी अभियान चलाकर मानव सेवा की अनूठी मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं।

सोसायटियों में पर्याप्त उर्वरक नहीं, गुणवत्ताहीन खाद बिक रहे हैं: कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। खाद की समस्या, वितरण को लेकर बदइंतजामी और अमानक, गुणवत्ताहीन नकली उर्वरक के रैकेड को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सरकार जानबूझकर किसानों की आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध नहीं कर रही है जिसके कारण ही किसान नकली और अमानत खाद लेने मजबूर है। गृह मंत्री के गृह क्षेत्र कवर्धा में किसानों के साथ धोखा उजागर हुआ है, किसानों को बेचे गए पोटास की बोरी में 60 प्रतिशत पोटाश लिखा है, जबकि लैब में परीक्षण के परिणाम मे पोटाश की मात्रा है ही नहीं, यह पहली घटना नहीं है पूरे प्रदेश में नकली और अमानत खाद बड़े पैमाने में खपाए जा रहे है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि किसान विरोधी सरकार की बदइंतजामी के चलते प्रदेश के सहकारी समितियों में डीएपी और यूरिया की किल्लत से खरीफ फसलों की बुआई पिछड़ गई है। धान की बुआई के समय किसानों को डीएपी की सख्त जरूरत होती है, लेकिन अधिकांश प्राथमिक कृषि साख समितियों और सहकारी संस्थाओं में इसका भारी अभाव है। किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके जैसे वैकल्पिक खाद लेने की सलाह दी जा रही है, जो समय पर उपलब्ध नहीं है, कीमत और प्रभाव में भी अंतर है।

श्री दावड़ा विश्वविद्यालय को ओबीई-रैंकिंग 2026 में मिला 'डायमंड प्लस बैंड' स्थान

रायपुर (विश्व परिवार)। उच्च शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए श्री दावड़ा विश्वविद्यालय रायपुर ने वैश्विक एवं राष्ट्रीय मानक आधारित परिणाम-आधारित शिक्षा रैंकिंग-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए डायमंड प्लस बैंड हासिल किया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की परिणाम-आधारित शिक्षा पद्धतियों, उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम, शोध एवं नवाचार, और छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विवि की महानिदेशक डॉ. चार्मी दावड़ा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि, आप सभी की कठिन मेहनत का फल है कि हमारी विवि आज ओबीई- रैंकिंग 2026 में डायमंड प्लस बैंड संस्थान के रूप में स्थापित हुई है। विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री चिन्मय दावड़ा, ने कहा: 'ओबीई रैंकिंग 2026 में डायमंड प्लस बैंड मिलना संपूर्ण श्री दावड़ा विश्वविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। यह सम्मान हमारी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समर्पित शिक्षकों व विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का प्रतिफल है। हमारा लक्ष्य सदैव छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान देकर उन्हें भविष्य के वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करना रहा है।' प्रति-कुलपति डॉ. वरूण गंजीर ने कहा, ओबीई रैंकिंग 2026 में 'डायमंड प्लस बैंड' प्राप्त होना हमारे संस्थान के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। यह सम्मान हमारी छात्र-केंद्रित शिक्षा प्रणाली, पारदर्शी मूल्यांकनऔर परिणाम-आधारित शिक्षण व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मानद निदेशक श्री तुलसीदास संघानी एवं कुलसचिव विपिन श्रीवास्तव ने डीन एकेडमिक्स डॉ. नितिन जायसवाल, कला एवं मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. मनीष वर्मा, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुरजीत डे मंडल, वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता डॉ. मनीषा पांडेय सहित सभी प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं समस्त कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

जनसेवा, खेल व प्रतिभा प्रोत्साहन के लिए समर्पित व्यक्तित्वों का हुआ भव्य सम्मान

- मां आदिशक्ति महिला सेवा समिति एवं उत्कल समाज के संयुक्त आयोजन में विधायक पुरंदर मिश्रा हुए शामिल, 33 क्रिकेट टीमों को वितरित हुई क्रिकेट किट

रायपुर (विश्व परिवार)। मां आदिशक्ति महिला सेवा समिति, रायपुर एवं उत्कल समाज, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में विमतारा हॉल, मधु पिल्ले चौक, रायपुर में आयोजित आभार एवं सम्मान समारोह गरिमामय, प्रेरणादायी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में समाजसेवा, शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय खिलाड़ियों तथा मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कर उनके योगदान को नमन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। विधायक श्री पुरंदर मिश्रा के मंच पर पहुंचते ही पूरा सभागार 'जय श्रीराम' एवं 'जय श्री जगन्नाथ स्वामी' के जयघोष से गूंज उठा, जिससे पूरा वातावरण श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत हो गया।

अपने संबोधन में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर अवसर, संसाधन एवं प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु प्रत्येक खिलाड़ी को 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है, जो खेलों के प्रति सरकार की सकारात्मक सोच और खिलाड़ियों के सम्मान का प्रमाण है। साथ ही महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका जी द्वारा खिलाड़ियों को 11-11 हजार रुपये की क्रिकेट किट प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया है। विधायक श्री मिश्रा ने मंच से महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को नई पहचान और बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए नई कपड़े की थैलियों का किया वितरण

रायपुर (विश्व परिवार)। नया रायपुर के राखी गांव में पिंक ऑटो वाली दीदियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए नई कपड़े की थैलियों का वितरण किया तथा साथ में स्वास्थ सुरक्षा के लिए सैनिटरी नैपकिन का भी वितरण किया। साथ ही शनिवार के दिन श्री हनुमान चालीसा भेंट की।सभी दीदियां उनके हरे ड्रेस में पिंक ऑटो के साथ बहुत ही अच्छी लग रही थी।उन्होंने हमारे कार्यक्रम में बहुत अच्छा सहयोग किया।सभी की गाड़ियों पर हमने स्टीकर भी लगाए। राखी गांव से चंद्रिका दीदी और पवन तिवारी सर और मेरी मित्र नम्रता घई के सहयोग से कार्यक्रम बहुत ही सुन्दर हुआ। 12 बजे अपनी ड्यूटी से फ्री होकर सभी समय पर उपस्थित हुई। सभी अपने परिवार की जिम्मेदारी के साथ ही परिवार को आर्थिक मदद भी कर रही है।उन्हें उनके ऑफिस में लगाने के लिये भारत माता की फोटो भी दी।हमेशा की तरह श्री संजय आप्टे जी और अर्चना जतकर का पूरा सहयोग रहा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, मंगलवार 14 जुलाई 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

आपराधिक लापरवाही का संकेत

मंदिर का प्रशासनिक तंत्र पारदर्शिता और आंतरिक नियंत्रण के मोर्चे पर बुरी तरह विफल रहा। कड़ी सुरक्षा के बावजूद इस तरह के कृत्य का होना आपराधिक मिलीभगत या कम-से-कम आपराधिक लापरवाही का संकेत है। मुकदमा दर्ज होने और आठ लोगों की गिरफ्तारी के साथ इसकी पुष्टि हो गई है कि अयोध्या के राम मंदिर में करोड़ों रुपये की चढ़ावा चोरी हुई। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों से लगभग 80 लाख रुपये बरामद करने का दावा भी किया है। यह मंदिर की पवित्रता को कलंकित करने वाला ऐसा कांड है, जिससे करोड़ों हिंदू श्रद्धालु खुद को ठगा गया महसूस कर रहे हैं। चढ़ावे में हेराफेरी को केवल वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं माना जा सकता, बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं साथ घोर विश्वासघात भी है। जिस मंदिर की सुरक्षा को अभेद्य और जहां की निगरानी व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बताया जाता हो, वहां दानपात्रों से चढ़ावे की चोरी ना सिर्फ प्रबंधन की घोर लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि इससे प्रबंधन से जुड़ी बड़ी शख्सियतों की मंशा और ईमानदारी पर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं। अब तक जिन पर मुकदमा दायर हुआ है, वे प्रबंधन से जुड़े कर्मचारी हैं। जैसाकि कई साधु-संतों ने कहा है कि इतना बड़ा घोटाला अदने कर्मचारियों अंजाम दे दें, यह बात गले नहीं उतरती। इसीलिए राम जन्म भूमि न्यास के बड़े पदाधिकारियों की ना सिर्फ नैतिक, बल्कि अन्य रूपों में उनकी जवाबदेही बनती है। यह स्पष्ट है कि मंदिर का प्रशासनिक तंत्र पारदर्शिता और आंतरिक नियंत्रण के मोर्चे पर बुरी तरह विफल रहा।फिर इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि मंदिर के लिए जमीन खरीद से लेकर, चंदे, निर्माण कार्यों, और अब चढ़ावा में घपले और ख़यानत के इल्जाम लगे हैं। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद इस तरह के कृत्य का होना वहां आपराधिक मिलीभगत या कम-से-कम आपराधिक लापरवाही का संकेत है। इसलिए इस आशंका में दम है कि कार्रवाई को सतही पड़ताल तक सीमित रखने और या निचले स्तर के कर्मचारियों पर ठीकरा फोड़ कर मामले को निपटा देने की कोशिश हो सकती है। लेकिन जरूर याद रखना चाहिए है कि सभी दोषियों को सख्त सजा नहीं दी गई, तो यह 'चढ़ावा कांड' ना केवल अयोध्या के प्रबंधन, बल्कि धर्म के नाम पर बनी तमाम संस्थाओं की साख को हमेशा के लिए संदिग्ध बना देगा।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5एफ विज़न को बुनता टेक्स 2026

श्री पबित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम

सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नज़र आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है। वस्त्र उद्योग सिर्फहमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मज़बूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3त्न, औद्योगिक उत्पादन में 13त्न और निर्यात में 8.6त्न का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मज़बूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है। आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद ज़रूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं। इस शानदार पहल के सफ़र पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की ज़बरदस्त सफलता ने एक मज़बूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेज़ी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है। इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज़्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विज़न- फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है। इस पहल को दुनिया भर से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मज़बूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज़्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज़्यादा खरीददार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे 20,000 से ज़्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविधि में 3,500 से ज़्यादा खास तौर पर आयोजित बिज़नेस टू बिज़नेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्र भी होंगे, जो अलग-अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढ़ांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे। उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है। भारत टेक्स 2026 इस ज़िम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के ज़रिए निभाता है, जिसमें पैनल चर्चा, राउंडटेबल, मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100 से ज़्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और निवेश को बढ़ाने, तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक, तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा। इन चर्चाओं में वहनीयता और सर्कुलैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेज़ी से पर्यावरण के लिए फैशन के दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्स का यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने ज़मीनी स्तर पर इन आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेमवर्क और मज़बूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले। आज भारत टेक्स में लगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12 सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव लाने वाले कदमों के ज़रिए वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं की हर कड़ी को मज़बूत किया है। वस्त्रों के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने ?31,687 करोड़ से ज़्यादा के निवेश का वादा हासिल किया है। इससे मैन-मेड फाइबर वाले कपड़ों, फैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल के बड़े पैमाने पर निर्माण को बढ़ावा मिला है और साथ ही बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी पैदा हुए हैं। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री के दूरदर्शी 5एफ दृष्टिकोण को अपनाते हुए सात पीएम पार्क को एकीकृत विनिर्माण व्यवस्था के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ज़मीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने का काम भी तेज़ी से चल रहा है, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के तहत 794 हैंडलूम क्लस्टर में लगभग ?2,000 करोड़ का निवेश किया गया है। इससे 1.17 लाख बुनकरों को बेहतर करघे मिले हैं और लगभग 90,000 कामगारों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत हस्तशिल्प क्षेत्र में ?1,335 करोड़ से ज़्यादा का निवेश किया गया है। इसके अलावा, 1.5 लाख से ज़्यादा बुनकरों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) से जोड़ा गया है और बुनकर मुद्रा योजना के तहत लगभग 3 लाख लोगों को बिना गारंटी के ऋृण दिए गए हैं। अपने घरेलू निर्माताओं, कारीगरों और अन्वेषकों को सीधे वैश्विक बाज़ार से जोड़कर, इन व्यापक सुधारों ने हमें उस बड़े वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लिए तैयार किया है, जिसकी झलक इस हफ्ते देखने को मिल रही है। आज जब हम भारत मंडपम के जीवंत प्रदर्शनी हॉलों पर नज़र डालते हैं, तो हमारा नज़रिया इस व्यापार प्रदर्शनी के तात्कालिक दायरे से कहीं आगे तक विस्तृत होता नज़र आता है। यह आयोजन भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर के वैश्विक शक्ति केंद्र में बदलने के हमारे विज़न 2030 रोडमैप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो विकसित भारत झ्र 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। मैं आप सभी को भारत टेक्स 2026 में अगले चार दिनों तक हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करता हूं, ताकि आप हमारे श्रमिकों की अविश्वसनीय शक्ति, हमारे रचनाकारों के शानदार नवाचारों और वैश्विक वस्त्रों के भविष्य को देख सकें, जिन्हें गर्व से भारत में डिज़ाइन किया गया है, टिकाऊ तरीके से निर्मित किया गया है और बड़े पैमाने पर एकीकृत किया गया है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत हैं।)

आलेख

बुर्कीना ने फ्रांस से संबंध तोड़े

डॉ. सुधीर सक्सेना

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बुर्कीना फासो ने फ्रांस से अपने दौत्य-संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। कभी फ्रांस का उपनिवेश रहे बुर्कीना की इस कार्रवाई को बुर्कीना फासो की कठोर कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच यह भी स्पष्ट हो गया है कि बुर्कीना में लोकतंत्र दूर की कौड़ी है और उसे लंबे समय तक फौजी जुंता के अधीन रहना होगा। गत वर्ष के युद्ध में पश्चिमी अफ्रीकी ब्लॉक से संबंध विच्छेद के उपरांत बुर्कीना ने पड़ोसी राष्ट्रों नाइजर और माली के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित कर मस्क्रा-बीजिंग धुरी की ओर पींगे बढ़ाई हैं और हाल में उसकी रूस पर सामरिक निर्भरता बढ़ी है। गौरतलब है कि बुर्कीना, माली और नाइजर पिछले करीब एक दशक इस्लामी उग्रपंथियों की घुसपैठ से जूझ रहे हैं और उनसे मुकाबले के लिये रूसी सहायता पर निर्भर हैं। फ्रांस से इन देशों के रिश्तों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है और अब नव उपनिवेशवाद को बढ़ावा देने और बुर्कीना के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ आचरण का आरोप मढ़कर बुर्कीना ने जुमे के रोज़ फ्रांस से राजनयिक संबंध तोड़ लिये हैं। बुर्कीना फासो छोटा सा अफ्रीकी राष्ट्र है विशालकाय अफ्रीका महाद्वीप में पश्चिमोत्तर में स्थित भू-आवेष्टित 2.47 लाख वर्ग किमी का लगभग 2.4 करोड़ की आबादी का देश। 65 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है और वह विश्व के चुनींदा निर्धनतम राष्ट्रों में शुमार है। फ्रांस की औपनिवेशक दासता से मुक्त हुये इसे लगभग कुछ दहाइयां ही बीतीहैं और प्रारंभिक लोकतंत्र के बाद वहां तख्तापलट का इतिहास रहा है। वहां आतंकवादी समूह सक्रिय हैं और आर्थिक विकास के पैमाने पर वह बहुत निचली पायदान पर है। यही बुर्कीना फासो इन दिनों विश्वव्यापी सुर्खियों में है और उसकी सुर्खियों में आने का सबब हैं वहां के 38 वर्षीय युवा राष्ट्रपति इब्राहीम ट्रओरे, जो लगभग चार वर्ष पूर्व कू-दे-ता से सत्ता में आये थे। अपनी रीति और नीति से टूओरे पैन-अफ्रीका या अफ्रीकी-अस्मिता के प्रतीक बनकर उभरे हैं। जाहिर है कि वह योरोप और अमेरिका के धनीमानी राष्ट्रों और निओ-इंपीरियालिस्ट ताकतों की आंखों में किरकिरी बनकर खड़क रहे हैं। बिलाशक अपने दुस्साहसिक फैसलों से उन्होंने अमेरिका और फ्रांस जैसे महाबली राष्ट्रों को चुनौती दे डाली है। कभी अपर वोल्टा के नाम से ज्ञात बुर्कीना सन 1896 में फ्रांसीसी दासता के जुएं तले आया। सन 1958 में स्वशासन के हक के बाद इसे सन 1960 में आजादी मिली। इसके बाद का इतिहास अस्थिरता, अकाल, दुर्भिक्षों, तखतापलट और भ्रष्टाचार की गाथा है। सन 1966, 80, 83 और 87 तथा फिर सन 2022 में दो बार कूदे तो हुये। तख्तापलट के विफल प्रयास सन 1989, 2015 और 2023 में भी देखने को मिली। इनमें उल्लेखनीय रहा सन 1983 में सत्त में आये थॉमस संकारा का कार्यकाल। संकारा पहले राष्ट्राध्यक्ष थे, जिन्होंने बुर्किना फासो को सुधारों और विकास की राह पर बढ़ाया। सामाजिक-आर्थिक, सुधारों के तहत उन्होंने साक्षरता अभियान, भूमि पुर्नवितरण, 20 लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण, रेल और सड़क निर्माण, सबको शिक्षा जैसी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने महिलाओं का खतना, बलात विवाह और बहु विवाह पर पाबंदी लगाई, मगर सन 1987 में ब्लेस कोम्पाओरे के नेतृत्व में सशस्त्र क्रांति में उनका तख्ता पलट कर उनकी हत्या कर दी गयी। ब्लेस की तानाशाही का 31 अक्टूबर 2014 को अंत हुआ, लेकिन उसके बाद बुर्किना अग्रवादी इस्लामी गुटों की घुसपैठ और हिंसा में डूब गया, जिसमें दस लाख से अधिक बुर्कीनाबे विस्थापित हुये। फ्रेंचकाल में अपर वोल्टा के तौर पर ज्ञात राष्ट्र को बुर्किना फासो नाम थॉमस संकरा की देन है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है ईमानदारों की धरती। टूओरे की पहल पर फ्रेंच फौजियों को निष्कासित कर तीनों उक्त देशों के रंगरूटो को कानून और सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। हालात का एहसास इससे हो सकता है कि अमेरिका समेत अनेक देशों ने सैलानियों से बुर्कीनो के अंदरूनी भागों की यात्रा नहीं करने को कहा है। देश में यातायात और संचार साधन अत्यल्प हैं। दक्षिण अफ्रीका, माली और घाना के बाद बुर्कीना अफ्रीका का चौथा प्रमुख स्वर्ण उत्पादक राष्ट्र है। सोना, कपास और तिलहन वहां की मुख्य निर्यात वस्तुएं हैं। इनका उत्पादन बढ़ाने के उपक्रमों में तेजी आई है। वैसे बुर्कीनों जवाहरतों का भी निर्यात करता है और वहां के पारंपरिक हस्तशिल्प की विश्व बाजार में अच्छी मांग व प्रतिष्ठा है। टूओरे अब इन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही अधोसंरचना के विकास पर जोर दे रहे हैं। इसमें शक नहीं संकारा टूओरे के आदर्श हैं और वह उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत के वस्त्र उद्योग में सततता की बुनावट:भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना..........

मुख्य बातें

भारत का वस्त्र और परिधान उद्योग लंबे समय से देश की विनिर्मान क्षमता का केंद्र रहा है। यह भारत की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक उत्पादन और निर्यात में अहम योगदान देता है, साथ ही ग्लोबल टेक्सटाइल व्यापार में भी इसकी मज़बूत स्थिति है। वैश्विक मांग के बदलते पैटर्न के साथ, स्थिरता इस क्षेत्र के लिए विकास का एक बड़ा ज़रिया बनती जा रही है। पॉलिसी के ज़रिए ऑर्गेनिक फाइबर, सुरक्षित रसायन, चक्रीय उत्पादन, अपशिष्ट रिकवरी, इको-लेबलिंग और ट्रेसेबिलिटी को बढ़ावा दिया जा रहा है। साफ़-सुथरी प्रौद्योगिकियां, रीसाइक्लिंग, ज़िम्मेदार सोर्सिंग और अपशिष्ट कम करने से भारतीय वस्त्र उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिल सकती है।

भारत का वस्त्र उद्योग क्षेत्र और चक्रीय वृद्धि की राह

अक्सर भारत के औद्योगिक विकास का चरखा कहा जाने वाला वस्त्र और परिधान क्षेत्र विनिर्माण अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ है। राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2025 के अनुसार इस क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2प्रतिशत और विनिर्माण सकल बाजार मूल्य का लगभग 11प्रतिशत योगदान है। भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा वस्त्र और परिधान निर्यातक देश भी है, जिसकी वैश्विक निर्यात में लगभग 4प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह क्षेत्र 45 मिलियन से अधिक लोगों, जिनमें कई महिलाएं और ग्रामीण श्रमिक शामिल हैं, को प्रत्यक्ष रोजगार भी प्रदान करता है। इसके आर्थिक पैमाने, निर्यात संबंधों और रोजगार की सघनता को देखते हुए, इस क्षेत्र के लिए स्थिरता का महत्व तेजी से बढ़ता जा रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक बाजार पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार उत्पादन की ओर अग्रसर हो रहे हैं, भारत के वस्त्र उद्योग के पास अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने का अवसर है।. इस दायरे में, चक्रीय उत्पादन पूरे क्षेत्र में गति पकड़ रहा है। भारत की समृद्ध वस्त्र शिल्पकला और संसाधन-सचेत उत्पादन की विरासत को व्यापक मान्यता मिल रही है, क्योंकि वैश्विक बाजार पर्यावरण पर कम प्रभाव डालने वाले उत्पादों को अधिक महत्व दे रहे हैं।

वस्त्र क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था

चक्रीय अर्थव्यवस्था एक ऐसी आर्थिक प्रणाली है जिसमें सामग्रियों और संसाधनों का पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण और लंबे समय तक उपयोग में रखा जाता है। इससे अपशिष्ट और उत्सर्जन को कम करने के साथ ही, अधिक टिकाऊ उत्पादन पद्धति को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। इसका मूल सिद्धांत इनपुट के उपयोग में चक्रीयता सुनिश्चित करना है। वस्त्र क्षेत्र में, स्थिरता और चक्रीयता आपूर्ति श्रृंखला के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। मौजूदा सामग्रियों को उनकी मूल संरचना में बदलाव किए बिना पुन: उपयोग किया जाता है। इससे ऊर्जा, रसायन और पानी की खपत कम होती है, साथ ही पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी कम होता है।

भारत की टेक्सटाइल मूल्य श्रृंखला में चक्रीयता नजर आती है

भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला में चक्रीयता महत्वपूर्ण वापसी, पुनर्चक्रण, पुन: उपयोग और आजीविका परिणामों में परिलक्षित होती है।

प्रतिवर्ष लगभग 7.8 मिलियन टन वस्त्र अपशिष्ट प्रबंधित किया जाता है, जिसका 90त्न से अधिक स्रोत घरेलू पूर्व-उपभोक्ता (कारखाने का स्क्रैप) और उपभोक्ता के बाद का अपशिष्ट है। कुल अपशिष्ट का 70 प्रतिशत से अधिक वस्त्र अपशिष्ट वर्तमान में रिकवर किया जाता है और उसे अपसाइक्लिंग, डाउनसाइक्लिंग या पुन: उपयोग में लाया जाता है।

उपभोक्ता-पूर्व चरण में वापसी विशेष रूप से मजबूत है, जहां लगभग 95 प्रतिशत वस्त्र अपशिष्ट का संग्रह स्थापित मूल्य-श्रृंखला नेटवर्क के माध्यम से किया जाता है और उसका पुन: उपयोग किया जाता है।

कताई क्षेत्र में बंद-लूप चक्रीयता का सबसे स्पष्ट उदाहरण दिखाई देता है। कताई से निकलने वाले लगभग सभी अपशिष्ट पदार्थों को उत्पादन में पुन: उपयोग में लाया जाता है।

उपभोक्ता द्वारा उपयोग किए गए वस्त्रों में भी चक्रीयता दिखाई देती है। भारत के व्यापक संग्रहण और छँटाई नेटवर्क के माध्यम से इस कचरे का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा लैंडफिल में जाने से बचाया जाता है।

यह इकोसिस्टम लगभग 40-45 लाख आजीविकाओं को सहारा देता है, इसमें हाशिए पर रहने वाले समुदायों की महिलाएं संग्रहण, छँटाई और पुनर्वितरण में प्रमुख भूमिका निभाती हैं।

भारत के स्थानीय वस्त्र अपशिष्ट रिकवरी मॉडल

नवी मुंबई का चक्रीय वस्त्र रिकवरी मॉडल: भारत की पहली नगर निगम वस्त्र रिकवरी सुविधा नवी मुंबई के बेलापुर में स्थित यह सुविधा वस्त्र अपशिष्ट को एक चक्रीय अर्थव्यवस्था के अवसर के रूप में मानिता देती है। यह केंद्र संग्रहण, छँटाई, अपसाइक्लिंग, प्रौद्योगिकी और आजीविका को एक चक्रीय पुनर्चक्रण इकोसिस्टम में एकीकृत करता है। इसने 30 मीट्रिक टन उपयोग के बाद के वस्त्र अपशिष्ट का संग्रहण किया है, 25.5 मीट्रिक टन की छँटाई की है, 41,000 से अधिक वस्तुओं का प्रसंस्करण किया है और 400 से अधिक अपसाइकल किए गए नमूने विकसित किए हैं। इसने 1.14 लाख परिवारों तक पहुँच बनाई है और प्रदर्शनियों और बाज़ार तक पहुँच के माध्यम से महिला कारीगरों को सहायता प्रदान की है। पानीपत एक डाउनस्ट्रीम टेक्सटाइल रिसाइक्लिंग हब के रूप में: पानीपत एक प्रमुख वस्त्र रिसाइक्लिंग हब के रूप में उभरा है। एक विशिष्ट डाउनस्ट्रीम प्रसंस्करण केंद्र के रूप में, इसे अन्य क्लस्टरों से उपभोक्ता-पूर्व वस्त्र अपशिष्ट का एक बड़ा हिस्सा प्राप्त होता है। यह क्लस्टर प्रतिदिन लगभग 3,500-5,250 टन अपशिष्ट का प्रबंधन करता है और संग्रहण, छँटाई, प्रसंस्करण, बुनाई और पुनर्चक्रण में सहयोग प्रदान करता है। इससे बेहतर सामग्री पृथक्करण के माध्यम से उच्च मूल्य वाले वस्त्र-से-वस्त्र पुनर्चक्रण की प्रबल संभावनाएँ पैदा होती हैं। मंगोलपुरी का कतरन अपशिष्ट छंटाई नेटवर्क: दिल्ली के मंगोलपुरी में स्थित कतरन बाजार दिखाता है कि कैसे अनौपचारिक नेटवर्क कपड़ा उद्योग में पुनर्चक्रण को बढ़ावा देते हैं। सड़क किनारे काम करने वाले लोग नोएडा,

गुरुग्राम, मानेसर, जयपुर और दिल्ली से आने वाले ट्रकों से कतरन का कचरा इकट्ठा करते हैं। फिर इस कचरे को रंग के आधार पर छांटा और अलग किया जाता है, जिससे पुनर्चक्रण के लिए इसका मूल्य बढ़ जाता है। यह बाजार प्रतिदिन 10 टन से अधिक छांटा हुआ कतरन का कचरा पानीपत के औपचारिक रीसाइकल केंद्रों को आपूर्ति करता है। इस प्रकार, स्थानीय संग्रहण और कपड़ा उद्योग में रीसाइकल के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनती है। टेक्सटाइल में सततता उत्पादन चक्र के विभिन्न चरणों के माध्यम से इसे और भी बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। यह अब मूल्य श्रृंखला में कच्चे माल, विनिर्माण प्रक्रियाओं, गुणवत्ता मानकों और बाजार पहुंच से संबंधित विकल्पों को प्रभावित कर रहा है।

इनपुट चरण: फाइबर, रसायन और सामग्री की सततता

वस्त्र उत्पादन की स्थिरता इनपुट स्तर से ही शुरू होती है। रेशों और कच्चे माल का चुनाव पूरी मूल्य श्रृंखला के पर्यावरणीय प्रभाव को निर्धारित करता है। इसलिए नीतिगत समर्थन जैविक रेशों, आधुनिक प्राकृतिक रेशों और हानिकारक इनपुट के कम उपयोग की ओर निर्देशित किया जा रहा है।

जैविक फाइबर उत्पादन को बढ़ावा देना

प्रमाणन ढांचे और कृषि सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में जैविक फाइबर उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयासों को मजबूत किया जा रहा है। जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीओपी): यह प्रमाणित जैविक उत्पादों के विकास का समर्थन करता है। इसमें प्रमाणन निकायों की मान्यता और जैविक उत्पादन मानकों को निर्धारित करना शामिल है। यह जैविक उत्पादों के प्रचार और विपणन का भी समर्थन करता है। एनपीओपी मानकों को यूरोपीय आयोग और स्विट्जरलैंड द्वारा असंसाधित पौधों के उत्पादों के लिए मान्यता प्राप्त है। वस्त्र उद्योग के लिए, यह विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि इसमें जैविक कृषि उत्पादों के साथ-साथ जैविक कपास फाइबर भी शामिल है।

जैविक उत्पादन

इसका मुख्य उद्देश्य उचित पौध पोषण और सुदृढ़ मृदा प्रबंधन के माध्यम से मिट्टी की प्रजनन और पुनर्जनन क्षमता को संरक्षित करना है। यह सतत खेती के लिए जमीनी दृष्टिकोण का अनुसरण करता है। जूट-ICARE ÑÁêÅU-ICARE (इंप्रूव्ड कल्टीवेशन एंड एडवांस्ड रेटिंग एक्सरसाइज) कार्यक्रम 2015 में टिकाऊ और वैज्ञानिक जूट की खेती को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था। किसानों को उच्च उपज देने वाले प्रमाणित बीजों और गलाने की प्रक्रिया को तेज करने वाले पदार्थों के माध्यम से सहायता प्राप्त होती है। यह उत्पादकता और रेशे की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए बेहतर कृषि पद्धतियों को भी बढ़ावा देता है।

कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद से, यह 7 राज्यों के 130 ब्लॉकों से बढ़कर 10 राज्यों के 289 ब्लॉकों तक विस्तारित हो गया है। इसके साथ ही, इसका कवरेज क्षेत्र भी 2024-25 में लगभग 1.11 लाख हेक्टेयर से बढ़कर लगभग 2.15 लाख हेक्टेयर हो गया है।

न्यू एज फाइबर मिशन (एमएम-III): कपास उत्पादकता मिशन के अंतर्गत लघु मिशनों में से एक के रूप में, इसका उद्देश्य है कि संबद्ध प्राकृतिक रेशों को बढ़ावा देना।

नए जमाने के प्राकृतिक रेशे

ये पौधे आधारित रेशे हैं जो पारंपरिक वस्त्रों और सिंथेटिक सामग्री का पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं। इनमें पौधों और अन्य प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त नवीन और टिकाऊ सामग्रियां शामिल हैं। भारत और वैश्विक बाजारों में प्राकृतिक रेशे जैसे रेमी, सिसल और अलसी का महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय महत्व है। ये वस्त्र मूल्य श्रृंखला, कंपोजिट और अन्य औद्योगिक उपयोगों में सिंथेटिक फाइबर के टिकाऊ विकल्प प्रदान करते हैं। पर्यावरण पर इनका कम प्रभाव और बहुमुखी गुण टिकाऊ वस्त्र उत्पादन में इनके व्यापक उपयोग की प्रबल संभावना पैदा करते हैं। इस मिशन का उद्देश्य सतत और उच्च गुणवत्ता वाले फाइबर उत्पादन में भारत को एक वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित करना है। यह जलवायु-अनुकूल खेती, मशीनीकरण और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह पहल कृत्रिम सामग्रियों के पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के रूप में संबद्ध प्राकृतिक फाइबर के उपयोग को भी प्रोत्साहित करती है, जिसमें खेती की पद्धतियों को अनुकूलित करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। राष्ट्रीय फाइबर योजना: इस योजना का उद्देश्य प्राकृतिक, मानव निर्मित और आधुनिक फाइबर को बढ़ावा देते हुए फाइबर मूल्य श्रृंखला में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। इसका मुख्य लक्ष्य घरेलू फाइबर की उपलब्धता बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और उन्नत वस्त्र सामग्री में नवाचार को प्रोत्साहित करना है। प्राकृतिक और प्रमाणित इनपुट को प्रोत्साहित करके, ये उपाय चक्रीयता के पहले चरण का समर्थन करते हैं: सामग्री स्तर पर पर्यावरणीय तनाव को कम करना।

वस्त्र आपूर्ति श्रृंखला में खतरनाक रसायनों के उपयोग को कम करना

सतत वस्त्र उत्पादन के लिए पायलट परियोजनाएं: सतत उत्पादन और उपभोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनसे वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के संबंध में क्षमता को भी मजबूती मिलती है। इनके प्रमुख क्षेत्रों में सुरक्षित रसायन, पर्यावरण के अनुकूल वस्त्र और जैविक वस्त्र शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक विरासत हमारी सबसे बड़ी धरोहर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

■ श्रीमद्भागवत कथा समाज को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज द्वारा वाचन की जा रही श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया तथा श्रीमद्भागवत जी का विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ आरती-वंदन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने व्यास पीठ पर विराजमान कथा व्यास श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए आशीर्वाद ग्रहण किया। उन्होंने श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत भगवद्नाम के महत्व पर आधारित प्रसंग का एकाग्र भाव से श्रवण किया तथा कहा कि आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में ऐसी धार्मिक कथाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। यह प्रभु श्री राम का ननिहाल तथा माता कौशल्या का मायका है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर व्यतीत किया, जिसके कारण राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान और अधिक गौरवशाली बनती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवरीनारायण माता शबरी की तपोभूमि है, जहां प्रभु श्रीराम और माता शबरी के दिव्य मिलन की स्मृतियां आज भी श्रद्धालुओं को भाव-विभोर करती हैं। उन्होंने कहा कि राजिम स्थित पवित्र त्रिवेणी संगम पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला राजिम कुंभ देश के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। इस भव्य आयोजन में देशभर से साधु-संतों, श्रद्धालुओं और धर्माचार्यों का आगमन होता है, जिससे छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक वैभव को नई पहचान मिलती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए विभिन्न धार्मिक योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अब तक लगभग 50 हजार से अधिक श्रद्धालु भगवान श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के बुजुर्ग देश के विभिन्न प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों के संरक्षण, संवर्धन और समग्र विकास के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक समरसता, धार्मिक स्वतंत्रता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया गया है।

अनंत कालीन भक्तामर महामण्डल विधान के शुभारम्भ पर हुई मंगल कलश की स्थापना

■ भारतीय जैन मिलन ने आचार्य वर्धमान सागर महाराज को विनयांजलि समर्पित

तालबेहट (ललितपुर) (विश्व परिवार)। कसबे के वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागर महाराज की मंगलमय प्रेरणा से चतुर्दशी को अनंत कालीन भक्तामर महामण्डल विधान का शुभारम्भ अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ हुआ। सोमवार को पं. विनोद कुमार शास्त्री के दिशा-निर्देशन में विधिवत् मंत्रोच्चार के साथ ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन एवं मंगल कलश की स्थापना से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात् अभिषेक शांतिधारा पूजन विधान का आयोजन किया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भक्तामर विधान की विशेष अर्चना, विश्वशांति महायज्ञ हवन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर धर्माबलंबियों ने भगवान वासुपूज्य स्वामी एवं मुनिसुव्रतनाथ स्वामी के चरणों में आराधना कर समस्त विश्व के सुख, शांति एवं मंगल की कामना की। सुशील मोदी ने सभी श्रद्धालुओं से विधान के आगामी दिनों में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्यार्जन करने का आग्रह किया। सायं काल की बेला में भारतीय जैन मिलन बहु मण्डल एवं वासुपूज्य जिनालय शाखा के तत्वावधान में अनुपम साधक क्षपकराज आचार्य वर्धमान सागर महाराज दक्षिण को विनयांजलि समर्पित की। णमोकार महामंत्र का पाठ एवं भक्तामर पाठ के साथ 48 दीपक प्रज्वलित कर महा आरती का आयोजन किया। कार्यक्रम में सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन जैन मिलन के अध्यक्ष विशाल जैन पवा एवं आभार व्यक्त मंदिर समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन विरधा ने किया।

इन्वेस्टिचर सेरेमनी आदर्श विद्यालय, मोवा में छात्र नेतृत्व का गठन

रायपुर (विश्व परिवार)। आदर्श विद्यालय, मोवा में शैक्षणिक सत्र हेतु नव-निर्वाचित छात्र नेतृत्व का भव्य एवं गरिमामय इन्वेस्टिचर सेरेमनी के माध्यम से औपचारिक गठन किया गया। यह समारोह नेतृत्व, उत्तरदायित्व एवं सेवा-भावना का उत्सव था, जिसने विद्यार्थियों को विद्यालय के आदर्शों एवं परंपराओं के अनुरूप उत्कृष्ट नेतृत्व का संदेश दिया।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के पूजन से हुआ। ज्ञान, विवेक एवं आदर्श नेतृत्व के लिए ईश्वर से आशीर्वाद प्राप्त करने के उपरांत विद्यालय ध्वज, विद्यालय के ध्वजवाहकों—हेड बॉय तेजस वर्मा, हेड गर्ल मेहर कौर कंग, डिप्टी हेड बॉय विनय साहू तथा डिप्टी हेड गर्ल हरलीन कौर कलसी—को सौंपा गया। यह ध्वज हस्तांतरण विद्यालय द्वारा उन पर व्यक्त किए गए विश्वास एवं उत्तरदायित्व का प्रतीक था।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सबिता चतुर्वेदी ने नव-निर्वाचित छात्र नेतृत्व को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा उन्हें निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

मालवीय रोड दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन मार्ग में चातुर्मास में दिनांक 19 जुलाई को पधारेंगे जैन मुनिगण

■ सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने निरीक्षण कर जोन कमिश्नर को सफाई, पेयजल, लाइट व्यवस्था, सुनिश्चित करवाने किया निर्देशित

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने राजधानी शहर रायपुर के मालवीय रोड में रूपकला साड़ी सेंटर के पास की गली में दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन मार्ग में सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट प्रबंधन, गंदे पानी की सुगम निकासी की व्यवस्था सतत मॉनिटरिंग करवाते हुए चातुर्मास अवधि में सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए हैं.

दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन में इस वर्ष चातुर्मास अवधि में देश भर से दिगंबर जैन समाज के मुनिगण पधारेंगे. उनका सुआगमन यहां दिनांक 19 जुलाई 2026 को होगा एवं चातुर्मास सम्बंधित आयोजन दिनांक 19 जुलाई से प्रारम्भ हो जायेगे। इस सम्बन्ध में दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष संजय नायक ने नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़ से मिलकर उन्हें अनुरोध पत्र लिखकर चातुर्मास में दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन मार्ग मालवीय रोड में सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, अन्य मौलिक सुविधा व्यवस्थायें नगर निगम रायपुर के माध्यम से किये जाने का विनम्र अनुरोध किया है। नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने नगर निगम जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, उपअभियंता हिमांशु चंद्राकर एवं अन्य निगम जोन 4 अधिकारियों, दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष संजय नायक एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण किया एवं दिगंबर जैन समाज मन्दिर भवन मार्ग में सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट प्रबंधन, गंदे पानी की सुगम निकासी का प्रबंधन सहित अन्य आवश्यक मौलिक व्यवस्थायें नगर निगम जोन 4 क्षेत्र में जोन के माध्यम से करवाकर मॉनिटरिंग करवाकर दिनांक 19 जुलाई 2026 के पूर्व अच्छी प्रशासनिक व्यवस्था दिया जाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने सम्बंधित निगम जोन 4 अधिकारियों को निर्देशित किया है।

शराब में ढाई साल में 3870 करोड़ का ओवर रेटिंग घोटाला हो गया है: कांग्रेस

■ शराब की ओवर रेटिंग सरकार के संरक्षण में चल रहा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश में शराब धड़ल्ले से ओवर रेट में बेची जा रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस पूरे खेल को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। शराब की ओवर रेटिंग सरकार में बैठे हुए लोग करा रहे है। हर ब्रांड की शराब में 10 से 60 रू. तक प्रति बोतल वसूला जा रहा था। शराब के काऊंटर में बैठे लोग दावा कर रहे है कि शराब का पैसा ऊपर तक जा रहा था। यह मामला मीडिया मे आया और जनता ने विरोध किया तब जाकर कुछ अधिकारियों को सस्पेंड करने की कार्यवाही की गयी। अधिकारी तो सरकार के निर्देश पर काम कर रहे थे उन्हे बलि का बकरा बना दिया गया।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकारी आंकड़ों में प्रतिदिन शराब का विक्रय 28 लाख 65 हजार बोतल है, हर बोतल में 10 से 60 रू. अधिक वसूला जा रहा है, 4 करोड़ 29 लाख प्रतिदिन अवैध वसूली, महिनें का 129 करोड़, 1548 करोड़ सालाना, विगत ढाई साल में 3870 करोड़ का शराब ओवर रेटिंग घोटाला इस सरकार ने किया गया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूरे प्रदेश में संगठित शराब घोटाला चल रहा। हजारों करोड़ रूपये वसूली हो रही है।

बढ़व संगवारी संस्था ने तुमगांव स्कूल में किया करियर काउंसलिंग

■ 150 छात्रों को करियर और स्वास्थ्य की मिली जानकारी

महासमुंद (विश्व परिवार)। शनिवार को जिला महासमुंद के तुमगांव स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बढ़व संगवारी संस्था, रायपुर के द्वारा कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के करीब 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राधे श्याम बघेल ने छात्रों को करियर काउंसलिंग के महत्व को समझाते हुए 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी-निजी संस्थानों की विस्तृत जानकारी दी। सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापक शिव कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को पढ़ाई करने के प्रभावी तरीके और समय प्रबंधन के गुर बताए। उन्होंने बताया कि सही दिशा और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

डॉ. मीरा बघेल ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक व मानसिक बदलावों की जानकारी देते हुए पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में बढ़व संगवारी के समन्वयक रामेश्वरी परगनिहा ने प्रेरणादायक कहानी के माध्यम से बच्चों को कठिनाइयों से न घबराने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय के प्राचार्य सुरेन्द्र मानिकपुरीने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बढ़व संगवारी संस्था की टीम का आभार व्यक्त किया और उनके सहयोग को सराहनीय बताया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने अपने सवाल पूछे, जिनका संस्था की टीम ने समाधान किया।

'आदर्श मित्रता दिवस' पर अंतरधार्मिक मित्रों का होगा सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। समाज में आपसी विश्वास, भाईचारा, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुस्लिम इंटेलेक्चुअल फोरम एवं सर्व आस्था मंच के संयुक्त तत्वावधान में 'आदर्श मित्रता दिवस' का आयोजन रविवार, 2 अगस्त 2026 को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक विमतारा हॉल, न्यू शांति नगर, रायपुर में आयोजित किया जाएगा।

इस आयोजन का उद्देश्य ऐसे मित्रों को समाज के सामने लाना और सम्मानित करना है, जिन्होंने धर्म, पंथ, जाति, भाषा अथवा समुदाय की भिन्नताओं के बावजूद दशकों तक मित्रता, विश्वास, प्रेम, सम्मान और इंसानियत का रिश्ता निभाकर सामाजिक समरसता की मिसाल कायम की है। आयोजकों

का मानना है कि ऐसे रिश्ते भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत, गंगा-जमुनी तहज़ीब और 'विविधता में एकता' की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के लिए रायपुर एवं आसपास के क्षेत्रों से ऐसे दो या तीन मित्रों के समूह आमंत्रित किए जा रहे हैं, जो अलग-अलग धर्म, पंथ या समुदाय से संबंधित हो तथा लगभग 30 वर्ष या उससे अधिक समय से मित्रता के अटूट बंधन में जुडे हों। इच्छुक प्रतिभागी अपने नाम, संक्षिप्त परिचय, संपर्क विवरण तथा अपनी मित्रता की प्रेरक कहानी आयोजन समिति को भेज सकते हैं।

8 साधु भगवंतों का ससंघ छत्तीसगढ़ प्रवेश

रायपुर (विश्व परिवार)। आम्रपाली में श्री शांति कल्याण जैन संघ के तत्वावधान में आगामी चातुर्मास हेतु आज्ञा साम्राज्य सुरी शांति जिन संयम कृपाप्राप्त पपू आ.भ. श्रीमद् विजय योगतिलक सुरीश्वर जी महाराज के शिष्यरत्न पूज्य मुनीराज शांततिलक विजय जी आदि ठाणा 8 साधु भगवंत का आज छत्तीसगढ़ की पुण्यधरा में पदार्पण हो गया। जानकारी देते हुए वीरेंद्र डागा ने बताया कि छत्तीसगढ़ की धन्यधरा में पदार्पण के साथ ही मुनिश्री ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को मंगलपाठ का श्रवण करवाते हुए सभी के आध्यात्मिक जीवन की मंगलकामनाएं की। प्रवेश अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने मुनिश्री का अक्षत श्रीफल से पदपछालन करते हुए स्वागत किया। उपरोक्त अवसर पर मुनिश्री ने छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक उन्नति की

मंगलकामना करते हुए उनका यह वर्षावास सार्थक रहे ऐसी मंगलकामना की। प्रवेशोत्सव पर विशेष रूप से नवकार जाप ग्रुप, रायपुर की सहभागिता रही। रायपुर से आशीष जैन, अनिल बरडिया, वीरेंद्र डागा, निकुंज साचला, सोनल बरडिया, मुन्ना जैन, सेजल जैन आदि मुनिश्री की अगवानी हेतु उपस्थित रहे।

संयम, समता और साहित्य साधना के अप्रतिम पुरोधा : निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 समता सागर महाराज

■ 13 जुलाई अवतरण दिवस पर विशेष

सागर (विश्व परिवार)। 13 जुलाई 1962 (वि.सं. 2019) को मध्यप्रदेश के सागर जिले के नन्ही देवरी ग्राम में धर्मपरायण श्रावक दम्पत्ति श्री राजाराम जैन एवं श्रीमती चन्द्ररानी जैन के पावन आँगन में बालक प्रवीण कुमार का जन्म हुआ।यही बालक आगे चलकर दिगम्बर जैन परम्परा के तेजस्वी संत, निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 समता सागर महाराज के रूप में देशभर में संयम,समता और आत्मजागरण का दिव्य संदेश देने वाले महान संत बने। बाल्यकाल से ही प्रवीण में धर्म, अध्ययन,वैराग्य और आत्मचिंतन के संस्कार स्पष्ट दिखाई देते थे।सांसारिक वैभव के प्रति अनासक्ति और

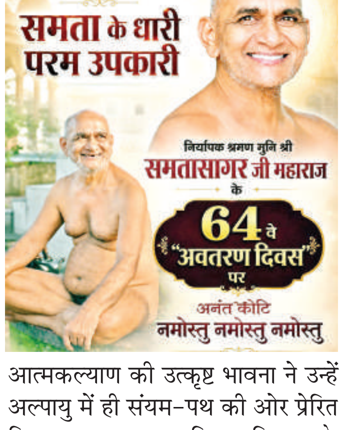

आत्मकल्याण की उत्कृष्ट भावना ने उन्हें अल्पायु में ही संयम-पथ की ओर प्रेरित किया। उच्च माध्यमिक शिक्षा के उपरांत वर्ष 1980 में पावन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि में इस युग के महान संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के संघ में प्रवेश कर उन्होंने अपना जीवन धर्मसाधना को समर्पित कर दिया।

11 नवम्बर 1982 को सिद्धक्षेत्र नेनागिरि में आजीवन वृतप्रतिमा धारण करने के पश्चात 10 फरवरी 1983 को तीर्थराज श्री सम्मेदशिखर में ऐलक दीक्षा प्राप्त की। तथा 25 सितम्बर 1983 को ईसरी चातुर्मास के दौरान आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से मुनि दीक्षा ग्रहण कर संयम के इस पथ पर अग्रसर हो गये! गुरुवर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रभावशाली शिष्यों में अग्रगण्य मुनि श्री समता सागर महाराज अपनी ओजस्वी वाणी, गहन शास्त्रज्ञान, सरल व्यक्तित्व और वात्सल्यपूर्ण व्यवहार के कारण देशभर में पद विहार किया है,

आप केवल तपस्वी संत ही नहीं, बल्कि एक प्रखर चिंतक, कुशल वक्ता, साहित्यकार और प्रभावशाली धर्मप्रचारक भी हैं। उनके प्रवचनों ने हजारों युवाओं को भारतीय संस्कृति,जैन दर्शन, नैतिक जीवन और संयम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है।

साहित्य के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत उल्लेखनीय है। 'सागर बूँद समाय', 'सर्वोदय सार', 'तेरा सो एक', 'श्रावकाचार कथा कुंज', 'स्तुति निकुंज', 'बेजुबानों की बात', 'सुप्रभाती', 'समाधि तंत्र', 'परमेष्ठी पूजन', 'निर्वाण भूमियाँ', 'प्रवचन प्रमेय' सहित अनेक ग्रंथों का लेखन, संपादन एवं संकलन उन्होंने किया है।उनके लेख, प्रवचन और काव्य धर्म, दर्शन और जीवन मूल्यों की अनुपम धरोहर हैं। मुनि श्री का सम्पूर्ण जीवन समता, अहिंसा, आत्मानुशासन, करुणा और लोकमंगल की साधना का जीवंत उदाहरण है। वे अपने प्रत्येक प्रवचन में यह संदेश देते हैं कि 'समता ही साधना का प्राण है और आत्मा की शुद्धि का सबसे सहज मार्ग है।' उनकी वाणी में शास्त्रों की गहराई के साथ जीवन की सहजता और व्यवहारिकता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

वर्तमान में पूज्य मुनि श्री समता सागर महाराज अपने संघ सहित सतत विहार करते हुए वर्तमान आचार्य श्री समय सागर महाराज के आज्ञानुवर्ती साधकों में ज्येष्ठ निर्यापक मुनि है तथा धर्मप्रभावना में निरंतर संलग्न रहते हैं।उनके पावन सान्निध्य में असंख्य श्रद्धालु आत्मजागरण, स्वाध्याय, तप और संयम की प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं। वह आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों के संवर्धन का प्रेरणादायी कार्य भी कर रहे हैं।

शेख समी उर रहमान ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

बिलासपुर (विश्व परिवार)। श्री शेख समी उर रहमान ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का पद भार आज दिनांक 13 जुलाई' 2026 को डॉ.सुस्कर विपुल विलासराव से ग्रहण किया। पूर्व मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, डॉ.सुस्कर विपुल विलासराव का स्थानांतरण रायपुर रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के पद पर हुआ है। श्री शेख समी उर रहमान 2015 बैच के भारतीय रेलवे यातायात सेवा (IRTS) के अधिकारी है । श्री रहमान इससे पूर्व पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक के पद पर कार्यरत थे।

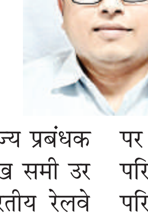

श्री रहमान भारतीय रेलवे परिचालन सेवा (आईआरटीएस) के 2015 बैच के अधिकारी है । श्री शेख समी उर रहमान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के पद पर पदस्थापना के पूर्व वे पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। इससे पूर्व वे सहायक परिचालन प्रबंधक (AOM), मंडल परिचालन प्रबंधक (DOM) तथा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी (Sr. DSO) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं ।

राम मंदिर चंदे का हिसाब मांगने जनता के बीच जाएगी कांग्रेस, गरियाबंद में संगठन को मजबूत करने का आह्वान

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय स्थित जिला कांग्रेस भवन में कांग्रेस की मासिक बैठक पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ला, जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा और जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम की मौजूदगी में आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार, जनहित के मुद्दों को आम जनता तक पहुंचाने तथा भाजपा की नीतियों के खिलाफ व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने पर चर्चा हुई। विशेष रूप से राम मंदिर से जुड़े कथित चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं को गांव-गांव और घर-घर तक यह मुद्दा पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ला ने कहा कि संगठन ही कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी ताकत है और मासिक बैठकें संगठन को मजबूती देने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर के लोगों ने आस्था के साथ चंदा दिया था, इसलिए उस धन का हिसाब मांगना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म और हिंदुत्व के नाम पर जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि अब मंदिरों तक में कथित अनियमितताओं के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा के कथित पाखंड और दोहरे चरित्र को जनता के सामने उजागर करने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करना और जनता की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाकर उनका समाधान कराना प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित पदाधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि पार्टी में पद लेना आसान, लेकिन उसका निर्वहन करना चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समाज में विभाजन की राजनीति कर रही है और अब धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार प्रत्येक माह संगठन को मजबूत करने और भाजपा की नीतियों को जनता के सामने रखने पर चर्चा होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता की आस्था और भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर भाजपा की कथित जनविरोधी नीतियों को उजागर करेंगे। साथ ही उन्होंने जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में संगठन को एकजुट करने के प्रयासों की सराहना की।

बैठक को रमेश मिश्रा, राजेश साहू, लोकेंद्र कोमर्रा और कमल यदु ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री नीरज ठाकुर ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष सन्नी मेमन ने किया।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष सन्नी मेमन, जिला महामंत्री राजेश साहू, सह कार्यालय प्रभारी एवं पार्षद छगन यादव, जिला महामंत्री जुनेद खान, पूर्व पार्षद योगेश बघेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित मिरि, अहसन मेमन, पवन सोनकर, रमेश शर्मा, सौरभ ठाकुर, बूथ अध्यक्ष प्रेम यादव, मधु हरपाल, नंदू गोस्वामी, कादर हिंगोरा, चंद्रभूषण चौहान, उत्तम यादव, पंकज सिन्हा, मुकेश रामटेके, अमन दास मानिकपुरी, झनकार यादव, सौरभ यादव, शीला टण्डी, सरिता गिरी, प्रतिभा पटेल, योगेश्वरी साहू, ममता फुलझेले, मोनिका ठाकुर, टीकेश्वरी राठौर, हेमा टण्डी, गूंलेश्वरी राठौर, सुरेखा नागेश, विमला साहू, ललिता साहू सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

तहसीलदार लटोरी ने उप स्वास्थ्य केंद्र अज़ब नगर का किया निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सूरजपुर के उप स्वास्थ्य केंद्र अजब नगर में तहसीलदार लटोरी चंद्रशिला जयसवाल ने दौरा किया ।उप स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं का क्या स्थिति है एवं बच्चों का जन्म दर कितना है एवं आने वाला महीना में कितना डिलीवरी होने वाला है इसका गहन जांच किया पिछला महीना में लगभग 7 महिलाओं का डिलीवरी हुआ जो सफलता पूर्वक हुआ आने वाला अगस्त महीना में लगभग 7 से 8 महिला डिलीवरी होने की संभावना है जो पंजीकृत है मौसमी बीमारी चिकित्सा व्यवस्था का भी जायजा लिया क्षेत्र के पटवारी संतोष प्रजापति उपस्थित थे उनको निर्देश दिया गया है कि शासकीय भूमि में किसी भी तरह का अतिक्रमण न हो इसका गहन नजर रखें उप स्वास्थ्य केंद्र के सभी डॉक्टर नर्स उपस्थित थे एवं क्षेत्र के पटवारी संतोष प्रजापति सांसद प्रतिनिधि अजब नगर कन्हाई लाल विश्वास सुवेंदु चटर्जी अर्जुन यादव देवदास सेनगुप्ता बिपलब मजूमदार उपस्थित थे

इंडसइंड बैंक ग्राहकों के लिए बड़ी सुविधा, ईपीएफओ के साथ हुआ बैंक का एकीकरण

मुंबई: इंडसइंड बैंक ने आज घोषणा की कि उसने केंद्रीय श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय के तहत आने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ सफलतापूर्वक एकीकरण कर लिया है। इससे अब इंडसइंड के ज़रिये ईपीएफ अंशदान जमा करने की प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक हो गई है। इस एकीकरण से संस्थान सीधे तौर पर ईपीएफओ पोर्टल पर इंडसइंड बैंक का चुनाव कर सकते हैं और इंडसइंड बैंक के कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग तथा मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन - 'इंडस डायरेक्ट' एवं 'इंडी फॉर बिज़नेस' (एमएसएमई) के ज़रिये आसानी से भविष्य निधि योगदान कर सकते हैं। यह पहल, देश में बड़े पैमाने पर किए जाने वाले वैधानिक भुगतान में से एक को बैंक की डिजिटल प्रणाली से जोड़ती है। इसके अलावा, इंडसइंड बैंक के ग्राहक सुरक्षित तरीके से सीधे ईपीएफओ पोर्टल के ज़रिये ईपीएफओ अंशदान जमा कर सकते हैं। इस समाधान से भुगतान सुविधाजनक हो जाएगा, साथ ही संस्थानों को अपनी वैधानिक ज़िम्मेदारियों को आसानी से पूरा करने में मदद मिलेगी।

सैमसंग के बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर से बारिश में कपड़े धोना और सुखाना हुआ आसान

गुरुग्राम : भारत में मानसून गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन कपड़े धोने और सुखाने की परेशानी भी बढ़ा देता है। लगातार नमी और बारिश के कारण कपड़े देर से सूखते हैं और उनमें सीलन व बदबू आने लगती है। ऐसे मौसम में सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर कपड़ों की धुलाई और सुखाने की प्रक्रिया को आसान बनाता है, ताकि मौसम चाहे जैसा भी हो, कपड़े साफ, ताजा और पहनने के लिए तैयार रहें। तो अपने घर को सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर के साथ अपग्रेड करें और आधुनिक तकनीक के साथ सुविधाजनक लॉन्ड्री का अनुभव लें। सैमसंग बीस्पोक एआई वॉशर ड्रायर सीरीज को अलग-अलग परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें स्मार्टथिंग्स ऐप की सुविधा भी दी गई है, जिसके जरिए उपयोगकर्ता कहीं से भी अपने वॉशिंग मशीन को मॉनिटर कर सकते हैं और उसे नियंत्रित कर सकते हैं। इससे कपड़ों की धुलाई पहले से अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाती है। बड़े परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया प्रीमियम मॉडल 25 किलोग्राम वॉश और 15 किलोग्राम ड्राई क्षमता के साथ आता है।

स्वराज ने छत्तीसगढ़ में लॉन्च किया नया प्रोटेक ट्रैक्टर

दुर्ग। महिंद्रा समूह की कंपनी और भारत के प्रमुख ट्रैक्टर ब्रांडों में शामिल स्वराज ट्रैक्टर्स ने आज छत्तीसगढ़ में अपना नया स्वराज प्रोटेक ट्रैक्टर लॉन्च किया। स्वराज प्रोटेक को दमदार प्रदर्शन, सटीक इंजीनियरिंग और आसान संचालन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि कृषि हो या व्यावसायिक कार्य, हर काम कम समय, कम मेहनत और अधिक दक्षता के साथ पूरा किया जा सके। इसमें भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की गई आधुनिक तकनीक और कई उन्नत फीचर्स दिए गए हैं, जो कठिन से कठिन कार्यों को भी आसानी से पूरा करने में मदद करते हैं। स्वराज 855 प्रोटेक 2WD और 4WD दोनों विकल्पों में उपलब्ध होगा। यह ट्रैक्टर स्वराज की पहचान रहे दमदार प्रदर्शन, बहुउपयोगिता और विश्वसनीयता को और बेहतर बनाता है।

राम मंदिर में कथित करोड़ों की चोरी पर कांग्रेस का हल्लाबोल, तिरंगा चौक बना विरोध का अखाड़ा

गरियाबंद (विश्व परिवार)। राम मंदिर में हुई कथित करोड़ों रुपये की चोरी के विरोध में सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने तिरंगा चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा, पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ला और जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जिला कांग्रेस भवन से रैली निकालकर तिरंगा चौक पहुंचे। हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की तथा घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश की आस्था के प्रमुख केंद्रों में शामिल राम मंदिर में इतनी बड़ी चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उनका आरोप था कि मामले की सच्चाई सामने लाने के बजाय उसे दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है और वहां कथित करोड़ों रुपये की चोरी बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने सरकार से निष्पक्ष जांच कर दोषियों को बेनकाब करने तथा किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति की संलिप्तता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ला ने कहा कि भाजपा राम के नाम पर राजनीति करती है, लेकिन जब राम मंदिर में ही चोरी की घटना सामने आती है तो सरकार जवाबदेही से बचती नजर आती है। उन्होंने इसे कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की विफलता बताते हुए पारदर्शी जांच और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा कि आस्था के केंद्र में चोरी की घटना पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने उच्चस्तरीय जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाने और दोषियों के खिलाफकठोर कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि यदि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सन्नी मेमन, जिला महामंत्री राजेश साहू, सह कार्यालय प्रभारी एवं पार्षद छगन यादव, जिला महामंत्री जुनेद खान, पूर्व पार्षद योगेश बघेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित मिरि, अहसन मेमन, पवन सोनकर, रमेश शर्मा, सौरभ ठाकुर, बूथ अध्यक्ष प्रेम यादव, मधु हरपाल, नंदू गोस्वामी, कादर हिंगोरा, चंद्रभूषण चौहान, उत्तम यादव, पंकज सिन्हा, मुकेश रामटेके, अमन दास मानिकपुरी, झनकार यादव, सौरभ यादव, शीला टण्डी, सरिता गिरी, प्रतिभा पटेल, योगेश्वरी साहू, ममता फुलझेले, मोनिका ठाकुर, टीकेश्वरी राठौर, हेमा टण्डी, गूंलेश्वरी राठौर, सुरेखा नागेश, विमला साहू, ललिता साहू सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनकॉर्ड समिति की बैठक में नशे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश

स्कूल-कॉलेजों के 100 मीटर दायरे में संचालित गुटखा एवं सिगरेट बिक्री केंद्र हटाने के निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस विभाग के प्रतिनिधि, आबकारी अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों से एनकॉर्ड के अंतर्गत की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई।

बैठक में जिले में युवाओं का नशीले पदार्थों के उपभोग में संलिप्तता पर कलेक्टर ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार एवं इसके प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी विभाग निर्धारित जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें।

कलेक्टर ने स्कूल एवं कॉलेज परिसरों के 100 मीटर के दायरे में संचालित गुटखा, सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने वाले केंद्रों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाने के निर्देश दिए। साथ ही कोटपा अधिनियम के तहत पुलिस द्वारा नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करने, अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर सख्त कार्रवाई करने तथा एनडीपीएस अधिनियम एवं नारकोटिक्स संबंधी प्रावधानों के तहत दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।बैठक में नशामुक्ति के लिए जनचौपाल, जनजागरूकता अभियान, विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम तथा आमजन की सहभागिता से नशे के विरुद्ध व्यापक अभियान संचालित करने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने सभी विभागों को समन्वित प्रयासों के माध्यम से जिले को नशामुक्त बनाने और युवाओं को नशे से बचाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें - कलेक्टर रेना जमील

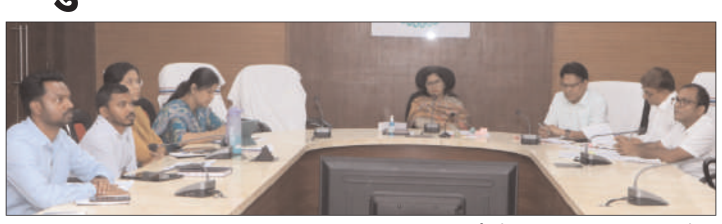

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिले में राजस्व विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए कलेक्टर रेना जमील की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी अनुविभागों एवं तहसीलों में लंबित राजस्व प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा समय-सीमा से बाहर कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके। कलेक्टर ने न्यायालयवार राजस्व मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख सुधार, भू-अर्जन, पट्टा वितरण एवं अभिलेख दुरुस्तीकरण सहित विभिन्न मामलों की समीक्षा की। साथ ही लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर ,डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला जेल सूरजपुर में आरसेटी का कौशल प्रशिक्षण संपन्न

35 बंदियों ने सीखा अगरबत्ती, साबुन और हैंडवॉश निर्माण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला जेल सूरजपुर में बंदियों के पुनर्वास एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेंट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), सूरजपुर द्वारा आयोजित 13 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में 35 बंदियों ने भाग लेकर अगरबत्ती, साबुन एवं हैंडवॉश निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जिला जेल अधीक्षक श्री विक्रम गुप्ता के मार्गदर्शन एवं सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण 2 जुलाई से 13 जुलाई 2026 तक संचालित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कम लागत में स्वरोजगार स्थापित करने, उत्पाद निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, विपणन तथा बैंकिंग संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

आरसेटी सूरजपुर के निदेशक श्री अशोक कुमार राणा, फैकल्टी श्री परमानंद एवं श्री मयंक तिवारी, तथा प्रशिक्षक श्रीमती भगवंती ने प्रशिक्षण के दौरान बंदियों को उद्यमिता विकास, वित्तीय साक्षरता एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस सभी 35 प्रतिभागियों का लिखित एवं प्रायोगिक मूल्यांकन ईडीपी एवं डोमेन असेसर द्वारा किया गया। इस अवसर पर आरसेटी के निदेशक श्री अशोक कुमार राणा, फैकल्टी श्री मयंक तिवारी एवं डीएसटी श्रीमती भगवंती उपस्थित रहे।

जेल अधीक्षक श्री विक्रम गुप्ता ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बंदियों में सकारात्मक सोच विकसित करने के साथ उन्हें रिहाई के बाद आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस पहल के लिए आरसेटी की पूरी टीम की सराहना की।

आरसेटी के निदेशक श्री अशोक कुमार राणा ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना ही नहीं, बल्कि रिहाई के बाद बैंक लिंकेज, ऋण सुविधा एवं दो वर्ष तक हैंडहोल्डिंग सहायता उपलब्ध कराकर बंदियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सहयोग देना भी है। उन्होंने बताया कि अगरबत्ती एवं साबुन निर्माण जैसे लघु उद्योगों के माध्यम से प्रशिक्षित व्यक्ति प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर सकते हैं।

कार्यक्रम के समापन पर सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जेल प्रशासन एवं आरसेटी टीम ने प्रशिक्षित बंदियों के उज्ज्वल एवं आत्मनिर्भर भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सूरजपुर मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 7 की कब्जे की भेंट चढ़ी सरकारी सड़क

वर्षों से न्याय की आस में भटक रहे वार्डवासी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिला मुख्यालय के मैयाथान रोड स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के सामने मुख्य मार्ग से वार्ड क्रमांक 7 को जोर जाने वाली शासकीय सड़क पर कथित अतिक्रमण का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। वर्षों से सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग कर रहे स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि शिकायतों और आवेदनों का लंबा सिलसिला चलता रहा, लेकिन आज तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नतीजतन, आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों ने बताया कि मुख्यमंत्री स्थानीय निवासी सुभाष गुप्ताविष्णु देव साय के चौपाल कार्यक्रम, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के सूरजपुर प्रवास के दौरान, वर्तमान कलेक्टर सहित जिले के दो पूर्व कलेक्टरों को भी आवेदन देकर सड़क से कधित अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। उनका कहना है कि हर बार आश्वासन मिला, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। वार्डवासियों के अनुसार, यह सड़क कभी इतनी चौड़ी थी कि चारपहिया वाहन आसानी से आवागमन करते थे। समय के साथ सड़क किनारे मकानों और दुकानों के विस्तार के कारण कथित रूप से अतिक्रमण बढ़ता गया और आज स्थिति यह है कि वहां से मुश्किल से मोटरसाइकिल या साइकिल ही निकल पाती है। लोगों का कहना है कि जो सड़क कभी पूरे मोहल्ले का मुख्य संपर्क मार्ग थी, वह अब संकरी गली में तब्दील होकर रह गई है।

स्थानीय निवासी सुभाष गुप्ता का दावा है कि शासकीय अभिलेखों में यह सड़क लगभग 15 डिसमिल भूमि पर दर्ज है, लेकिन वर्तमान में इसका बड़ा हिस्सा कथित अतिक्रमण की चपेट में है, जिससे सड़क का वास्तविक स्वरूप लगभग समाप्त हो चुका है।

आपदा की स्थिति में बढ़ सकता है बड़ा खतरा- स्थानीय नागरिकों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर चिंता जताई है। उनका कहना है कि पदि मोहल्ले में आग लगने जैसी कोई बड़ी घटना हो जाए तो अग्निशमन वाहन अंदर तक नहीं पहुंच सकेगा। वहीं गंभीर मरीज की की स्थिति में एम्बुलेंस घर तक नहीं पहुंच पातो, जिससे मरीज को पहले मुख्य सड़क तक लोगों के सहयोग से उठाकर लाना पड़ता है। लोगों का कहना है कि यह स्थिति किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकतो है।

फिर सौंपा आवेदन, कार्रवाई का इंतजार- गत गुरुवार को वार्डवासियों ने एक बार फिर जिला प्रशासन को सामूहिक आवेदन सौंपकर सड़क का सीमांकन कराने, कथित अतिक्रमण हटाने तथा सड़क का चौड़ीकरण कर उसे उसके मूल स्वरूप में बहाल करने की मांग की है। अब लोगों की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

जमीन की मापी बार-बार होती है पर कार्रवाई नहीं- वार्ड के सुभाष गुप्ता सहित वार्डसियों का आरोप है कि शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग के आरआई और पटवारी मौके पर पहुंचकर नापजोख की औपचारिकता तो पूरी कर लेते हैं, लेकिन इसके बाद मामला फाइलों में दबकर रह जाता है। वर्षों से कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। वार्डवासियों ने मांग की है कि शासकीय भूमि का विधिवत सीमांकन कर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके और वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

वार्डवासियों में से एक सुभाष गुप्ता कहते हैं कि तीन साल से तारीख पर तारीख़ पेशी पेशी पर पेशी हो रही है ।एसडीएम कार्यालय से जब फर्जी पट्टा मिलता है तो कैश को खारिज कर देते हैं ऐसा न्याय व्यवस्था पर उंगलियां उठा रही है।

सुनियोजित एवं जनोन्मुखी विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

रायपुर विकास प्राधिकरण के नए उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने संभाला पदभार, ओपी चौधरी हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के नवनियुक्त उपाध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने सोमवार को रायपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय में विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ओ.पी. चौधरी ने डॉ. जय प्रकाश शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रायपुर के सुनियोजित एवं समग्र विकास में रायपुर विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें विश्वास है कि डॉ. शर्मा के अनुभव, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्राधिकरण की विकास परियोजनाओं को नई गति मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

समारोह में रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नंद कुमार साहू ने कहा कि डॉ. शर्मा के प्रशासनिक अनुभव, चिकित्सा क्षेत्र में लंबे समय तक किए गए कार्य तथा सामाजिक सरोकारों का लाभ रायपुर विकास प्राधिकरण को मिलेगा। उनके नेतृत्व में प्राधिकरण की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनहितकारी कार्यों को नई दिशा एवं गति मिलेगी। उन्होंने आरडीए के माध्यम से आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।

पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. जय प्रकाश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और राज्य शासन की जनकल्याणकारी नीतियों के अनुरूप रायपुर विकास प्राधिकरण की योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि रायपुर शहर के सुनियोजित विकास, आधुनिक अधोसंरचना के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण नागरिक सुविधाओं तथा हितग्राही सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष राम प्रताप सिंह, रायपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अवनीश शरण सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

विधानसभा में भावना बोहरा ने उठाया वनांचल क्षेत्र में विद्युत् आपूर्ति का मामला

■ श्रमिकों की सुविधा और राजस्व के लंबित प्रकरणों के विषय में किया प्रश्न

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विधानसभा मानसून सत्र के प्रथम दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा एवं जनहित से जुड़े विषयों पर प्रश्न किया। इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल एवं आदिवासी बहुल ग्राम पंचायतों में विद्युत् आपूर्ति, वर्तमान में रजिस्ट्री में स्वत: नामांतरण की प्रक्रिया, कबीरधाम जिले में वर्तमान में भू-राजस्व के लंबित प्रकरणों तथा वन सुरक्षा समिति, लघु वनोपज एवं तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य से जुड़े श्रमिकों व संग्राहकों की दी जाने वाली सुविधाओं के विषय में प्रश्न किया।

भावना बोहरा ने प्रश्न किया कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल एवं आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत तेलियापानी, बिरहुलडीह, कांदावाणी, छीरपानी, रूख्मीदादर, छिंदीडीह एवं अमनिया के 20 से अधिक ग्राम जून, 2026 की स्थिति में भी नियमित विद्युत सुविधा से वंचित हैं अथवा अत्यंत सीमित विद्युत व्यवस्था पर निर्भर हैं, जिसके कारण हजारों ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं? उक्त ग्रामों में वर्तमान में कितने घर/परिवार पूर्णत: विद्युत सुविधा से वंचित हैं तथा कितने परिवार केवल सौर ऊर्जा आधारित अस्थायी व्यवस्था पर निर्भर हैं? ग्रामवार एवं पंचायतवार विवरण क्या है ? क्या शासन द्वारा इन क्षेत्रों में सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्था (सोलर बैटरी / सोलर होम लाइटिंग सिस्टम) उपलब्ध कराई गई है? यदि हाँ तो, उक्त व्यवस्था स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्याप्त सिद्ध हो रही है या नहीं, इसकी निगरानी एवं रखरखाव हेतु विभाग द्वारा क्या व्यवस्था की गई है ? क्या शासन द्वारा इन ग्रामों को मुख्य विद्युत ग्रिड से जोड़ने, नवीन विद्युत लाइन विस्तार, ट्रांसफार्मर स्थापना एवं शत-प्रतिशत घरेलू विद्युतीकरण हेतु कोई विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है? यदि हाँ, तो ग्रामवार स्वीकृत कार्य, स्वीकृत राशि, एजेंसी एवं पूर्णता अवधि क्या है?

छत्तीसगढ़ का पहला पूर्ण एनएबीएच मान्यता प्राप्त आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल बना डॉ. अभिमन्यु हॉस्पिटल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि डॉ. अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल को नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (NABH) की पूर्ण मान्यता (Full Accreditation) प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि के साथ यह छत्तीसगढ़ का पहला पूर्ण एनएबीएच मान्यता प्राप्त आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल बन गया है।

अस्पताल में पंचकर्म, दर्द प्रबंधन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, त्वचा रोग, पाइल्स सहित विभिन्न आयुर्वेदिक विशेषज्ञ सेवाएं आधुनिक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप प्रदान की जा रही हैं। अस्पताल का उद्देश्य पारंपरिक आयुर्वेद को आधुनिक स्वास्थ्य प्रबंधन एवं अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के साथ जोड़कर मरीजों को सुरक्षित, प्रभावी एवं

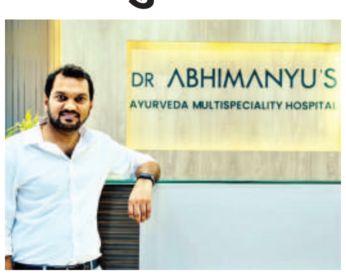

गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है।

एनएबीएच की मान्यता अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों की सुरक्षा, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, प्रशिक्षित चिकित्सकीय टीम, दवा प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कठोर मूल्यांकन के बाद प्रदान की गई है। यह मान्यता इस बात का प्रमाण है कि अस्पताल राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है।

बीएसपी : इस्पात पिघलने की कार्यशाला-3 में मशीनीकृत सफाई प्रणाली शुरू

■ सुरक्षा और परिचालन दक्षता में सुधार हुआ

रायपुर (विश्व परिवार)। भिलाई स्टील प्लांट ने अपने स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (स्टील मेल्टिंग शॉप-3 - एसएमएस-3) में एक व्यापक मशीनीकृत हाउसकीपिंग और सफाई प्रणाली शुरू की है, जो कार्यस्थल सुरक्षा को मजबूत करने, हाउसकीपिंग मानकों में सुधार करने और पूरे शॉप में परिचालन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इस पहल के तहत मुख्य रूप से मैन्युअल सफाई प्रणाली को आधुनिक मशीनीकृत सफाई व्यवस्था से बदला जाएगा, जिससे वर्कशॉप और आसपास के परिचालन क्षेत्रों का रखरखाव तेज़, सुरक्षित और अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा। उम्मीद है कि इस कदम से स्वच्छता में उल्लेखनीय सुधार होगा और श्रमिकों का खतरनाक औद्योगिक

वातावरण के संपर्क में आना कम होगा।

स्टील मेल्टिंग शॉप-3 संयंत्र की सबसे बड़ी परिचालन इकाइयों में से एक है, जहाँ विशाल कार्यक्षेत्र और चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों के कारण पारंपरिक रूप से साफ-सफाई का काम बहुत अधिक श्रमसाध्य रहा है। पिछले अनुबंध के तहत, अधिकांश साफ-सफाई गतिविधियाँ केवल एक बैकहो लोडर (जेसीबी) की सहायता से मैन्युअल रूप से की जाती थीं, जिससे मशीनीकृत सफाई की क्षमता और कार्यक्षमता सीमित हो जाती थी। श्रमिकों को गर्म धातु संभालने वाले क्षेत्रों और अन्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में भी सफाई कार्य करने पड़ते थे। इसके अतिरिक्त, परिधीय सड़कें, हॉट मेटल डिसल्फराइजेशन स्टेशन (।।स्ठस) क्षेत्र और कास्टर ष्ठङ्क-2 के आसपास का क्षेत्र पिछले साफ-सफाई अनुबंध के दायरे से बाहर थे।

नए अनुबंध के तहत, डंपर और ट्रक, बैकहो लोडर (जेसीबी), पहिएदार स्किड स्टीयर लोडर (बॉबकैट), बैटरी से चलने वाले राइड-ऑन स्वीपर, इलेक्ट्रिक और बैटरी से चलने वाले स्क्रबर ड्रायर, ग्लास-क्लीनिंग किट और अन्य विशेष मशीनीकृत सफाई उपकरणों सहित अत्याधुनिक सफाई उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला तैनात की गई है। इन आधुनिक मशीनों की तैनाती से सफाई कार्यों की गति, गुणवत्ता और सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

आयुक्त सुबह पहुंचे टाकाघर, कर्मचारियों की उपस्थिति देख वाहन रवानगी की ली जानकारी

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम सुबह रेवाडीह वार्ड में साफसफाई का जायजा लेकर एसएलआरएम सेन्टर में कचरा पृथककरण की जानकारी लेकर खाद बनाने की प्रक्रिया देखी। साथ ही उन्होंने टाकाघर का निरीक्षण कर कर्मचारियो की उपस्थिति, वाहन,विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था के संचालन के संबंध में प्रभारियो से चर्चा किए।

आयुक्त मरकाम रेवाडीह एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण कर सेन्टर प्रभारी से कचरा पृथककरण की जानकारी लेकर प्रतिदिन गीला सुखा कचरा पृथककर गीला कचरा से खाद बनाने की प्रक्रिया देखी। उन्होंने कहा कि बारिश में खाद उद्यानो एवं गमला के पौधो के लिए उपयोगी साबित होगा। इसके विक्रय के लिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण के दौरान लोगो को इसके लाभ बताए। उन्होंने घरो के अनुपयोगी समानो से बने कलाकृति देख उसकी

सराहना की। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार घरो से निकलने वाले स्कुली पुस्तको की कक्षावार सूची तैयार करे और उसे आस पास के स्कूली बच्चो से सम्पर्क कर वितरित करे। आयुक्त मरकाम आकस्मिक रूप से टाकाघर पहुँच जल, विद्युत मोटर विभाग के कर्मचारियों के संबंध में जानकारी लेकर उनसे रूबरू हो, हाजरी रजिस्टर की जॉच किए। गाडिया एवं टैंकर रवानगी के संबंध में प्रभारी से चर्चा किए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी सुबह निर्धारित समय में उपस्थित होकर हाजरी लगाने के पश्चात कार्य स्थल पर जायेगे, जल विद्युत संबंधी शिकायत का त्वरित निराकरण करेगे।

पंडरी में होटल पुनीत के सामने नाले पर निर्मित आधा दर्जन से अधिक अवैध पाटो को तोडा गया

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में स्थल पर कार्यपालन अभियता श्री पीडी घृतलहरे उपअभियता नगर निवेश श्रीमती अंजलि बारले की उपस्थिति में नगर निगम जोन 2 क्षेत्र अतर्गत पंडरी में होटल पुनीत एवं उसके आस पास दुकानो के सामने नाले पर अवैध कब्जा जमाकर नालो को पाटकर बनाये गये आधा दर्जन से अधिक अवैध पाटो को जेसीबी मशीन की सहायता से अभियान चलाकर तोडने एवं सफाई की बाधा हटाने की कार्यवाही नगर

निगम जोन 2 नगर निवेश विभाग द्वारा की गई। अवैध पाटो के कारण सफाई पूरी तरह बाधित हो चुकी थी एवं बारिश में जल भराव की समस्या आ रही थी।

जलभराव की समस्या दूर करने नाले की सफाई करवाने एवं गंदे पानी का निकास सुगमता से कायम करने अवैध पाटो को हटाने कार्यवाही की गई, जो लगातार आगे भी जारी रहेगी एव नाले पर बनाये गये सभी अवैध पाटो को अभियान चलाकर तोडने के निर्देश दिये गये है।

डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 25 जुलाई

कोरबा (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, भारत सरकार के अधीन संचालित प्रतिष्ठित संस्थान है । संस्थान द्वारा मुख्य रूप से डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (DPT) और डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (DPMT) पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो एआईसीटीई (AICTE) एवं एनबीए (NBA) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं ।

प्रवेश योग्यता और अवधि

इन पाठ्यक्रमों में 10वीं पास छात्र प्रवेश ले सकते हैं, जिनकी अवधि 3 वर्ष होगी। इसके अतिरिक्त, 12वीं (विज्ञान) या आईटीआई (ITI) उत्तीर्ण छात्रों के लिए लैटरल एंट्री की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से वे सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश पा सकते हैं और 2 वर्ष में अपना कोर्स पूरा कर सकते हैं । प्रवेश प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25 जुलाई 2026 निर्धारित है।

2. सिपेट कोरबा में संचालित अल्पकालीन कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

प्रवेश योग्यता और अवधि :

1. कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं एसईसीएल द्वारा संचालित आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूवात जुलाई के अंतिम सप्ताह एवं माह अगस्त के प्रथम सप्ताह से सिपेट, कोरबा में प्रारंभ होना है। इन पाठ्यक्रमों में 10वीं पास, 11वी पास एवं 12वी पास छात्र-छात्राएं निशुल्क प्रवेश प्राप्त कर सकते है।

लॉर्ड्स में यास्तिका भाटिया की ऐतिहासिक उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज (रजिस्टर्ड) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रतिभाशाली विकेटकीपर-बल्लेबाज़ यास्तिका भाटिया द्वारा इंग्लैंड के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर शानदार प्रदर्शन करते हुए रचा गया ऐतिहासिक कीर्तिमान भारतीय खेल जगत तथा सम्पूर्ण सिक्ख समाज के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण बताया है।

साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए, देश का नाम रोशन करने के लिए, महिलाओं का मनोबल ऊंचा करने के लिए पूरी महिला क्रिकेट टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने कहा कि यास्तिका भाटिया ने अपने अद्भुत कौशल, अनुशासन, संघर्ष और दृढ़ संकल्प के बल पर विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में से एक लॉर्ड्स में इतिहास रचकर करोड़ों भारतीयों का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। उनकी यह उपलब्धि देश की बेटियों तथा खेल जगत से जुड़े युवाओं के लिए प्रेरणादायी है।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने यास्तिका भाटिया के माता-पिता श्री हरीश भाटिया एवं श्रीमती गरिमा भाटिया को भी विशेष

बधाई देते हुए कहा कि उनकी उत्कृष्ट परवरिश, संस्कार, प्रोत्साहन और समर्पण ने यास्तिका को इस मुकाम तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे माता-पिता पूरे समाज के लिए प्रेरणा हैं।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा, समाज के अन्य प्रमुख सदस्यों नरेंद्र सिंह हरगोत्रा, स्वर्ण सिंह चावला, कुलवंत सिंह खालसा, मनजीत सिंह भाटिया, देवेंद्र सिंह चावला, जसप्रीत सिंह चावला, इकबाल सिंह होरा, रणजीत सिंह खनूजा, अमृत सिंह सूर, इंदर पाल सिंह गांधी, गुरमीत सिंह छाबड़ा, मानवेंद्र सिंह डडियाला, जागीर सिंह बावा, नरेन्द्र सिंह चावला, त्रिलोचन सिंह होरा, प्रधान सिंह एवं अत्तर सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि यास्तिका भाटिया भविष्य में भी भारतीय महिला क्रिकेट को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाते हुए देश और सिक्ख समाज का नाम विश्वभर में गौरवान्वित करती रहेंगी।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने श्री अकाल पुरख वाहेगुरु से अरदास की है कि यास्तिका भाटिया को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा निरंतर सफलता प्रदान करें, ताकि वे आने वाले वर्षों में भी भारतीय क्रिकेट में नए कीर्तिमान स्थापित करती रहें।

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल बिलासपुर में ओरल कैंसर पर सीएमई आयोजित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दंत चिकित्सकों और ऑन्कोलॉजिस्ट्स को एक मंच पर लाने वाला सीएमई सत्र कल होटल शिवा इन, बिलासपुर में इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए), बिलासपुर के सहयोग से आयोजित किया गया। इस पैनल चर्चा में मौखिक कैंसर की शीघ्र पहचान और प्रबंधन हेतु दंत चिकित्सकों और कैंसर विशेषज्ञों ने विशेष जोर दिया गया।

इस सत्र का संचालन करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल, बिलासपुर के ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. प्रशांत कसेर और डॉ नीलम लदेर ने किया। उन्होंने चर्चा को एक मरीज की यात्रा के आधार पर संरचित किया। डेंटल चेयर पर पहली जांच से लेकर स्क्रीनिंग, निदान और ऑन्कोलॉजी फॉलो-अप तक की पूरी प्रक्रिया को दर्शाते हुए।

इस कार्यक्रम में जिले भर से दंत चिकित्सकों और चिकित्सा पेशेवरों ने भाग लिया, पैनलिस्ट्स ने नियमित जांच के दौरान दंत चिकित्सकों को किन चेतावनी संकेतों पर ध्यान देना चाहिए।

अवैध रूप से संचालित लघु वाटर फिल्टर प्लांट को सीलबंद किया

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 5 नगर निवेश विभाग की टीम ने जोन 5 कमिश्नर श्री खीरसागर नायक के मार्गदर्शन एवं कार्यपालन अभियंता श्री लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता श्री नागेश्वर रामटेके, उपअभियंता नगर निवेश श्री टिकेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में नगर निगम जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत भाठागांव आवासीय कालोनी में आवासीय भवन का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग करते हुए संचालित लघु वाटर फिल्टर प्लांट के संबंध में प्राप्त जनशिकायत पर स्थल निरीक्षण उपरांत पूर्व में सबंधित संचालक श्री दिनेश वधानी को नोटिस जारी कर निर्धारित अवधि में व्यावसायिक गतिविधि बंद करने के निर्देश दिये

गये थे।

किंतु नोटिस की शर्तों का पालन ना किये जाने एवं आवासीय भवन में अवैध व्यावसायिक गतिविधि का सवालन पाये जाने पर नगर निगम जोन 5 नगर निवेश विभाग द्वारा संबंधित स्थल पर पहुंचकर लघु वाटर फिल्टर प्लाट को तत्काल सीलबंद करने की कड़ी नियमानुकुल कार्यवाही की गई। नगर निगम जोन 5 नगर निवेश विभाग द्वारा सीलबंदी की कार्यवाही छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 एवं प्रचलित नियमों के अंतर्गत की गई। भविष्य में बिना सक्षम अनुमति से सील हटाकर व्यावसायिक गतिविधि सचालित किये जाने पर प्रकरण में नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION Co. Ltd.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820
O/o Chief Engineer (Sub-station), Raipur Address-Shed No.-04, Danganiya, Raipur-492013
Website-www.cspc.co.in, E-Mail-CE.TnC@cspc.co.in, Phone-0771-2574256, Fax No.-0771-2574267

No. 02-07/Tender/P-1961/459 Raipur, Dtd. 10.07.2026

NOTICE INVITING TENDER (Through E-bidding module of SAP-SRM)

Tenders are invited from experienced eligible bidders for following work on labour contract basis :-

S. No.	Particulars of works	EMD (Rs.)	Last date/ time for submission of tender
1.	Tender for Job work for onsite testing of interface CTs (07 sets i.e. 21 Nos.) & PTs (07 sets i.e. 21 Nos.) of EHV dedicated consumers under EE (MRT) Dn. -I & II, CSPTCL, Raipur.	30,000/-	30/07/2026 14:00 Hrs.

NOTE :- (I) Other terms & condition details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in

Chief Engineer (Sub-Station)
CSPTCL: Raipur(C.G.)

SAVE ELECTRICITY
Samvad- 48426/2

आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का नवजागरण

विष्णु देव साय सरकार ने गढ़ी छत्तीसगढ़ की नई पहचान

विरासत से विकास तक : जब संस्कृति बनी सुशासन की आधारशिला

शक्तिपीठों के विकास, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा, लोककलाओं के संरक्षण, संत परंपराओं का सम्मान और यात्रा सुविधाओं के विस्तार से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को मिली नई ऊर्जा

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

शक्तिपीठ परियोजना

आस्था को जोड़ने वाला 1000 किलोमीटर का सर्किट

माँ दंतेश्वरी, माँ बम्लेश्वरी, माँ महामाया, माँ बागेश्वरी और माँ चंद्रहासिनी जैसे प्रमुख शक्तिस्थलों को जोड़ते हुए लगभग 1000 किलोमीटर का आध्यात्मिक पर्यटन सर्किट विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना श्रद्धा, संस्कृति और विकास का सुंदर संगम बनेगी।

मंदिरों का जीर्णोद्धार

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन

प्रदेशभर में प्राचीन मंदिरों और धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं तथा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। इससे रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है।

श्री रामलला दर्शन योजना

श्रद्धालुओं को आस्था से जोड़ने का सेतु

अब तक लगभग 42 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में रामलला के दर्शन कर चुके हैं, जबकि 5 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिक देश के विभिन्न तीर्थस्थलों का लाभ ले चुके हैं। यह योजना आस्था और जनसेवा का प्रभावी माध्यम है।

महाकुंभ 2025 में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक सहभागिता

प्रयागराज में 4.5 एकड़ में बना छत्तीसगढ़ पैवेलियन 45 दिनों तक आस्था, संस्कृति और सेवा का केंद्र रहा। 50 हजार श्रद्धालुओं ने निःशुल्क आवास व भोजन की सुविधा का लाभ उठाया। राज्य की संस्कृति और पर्यटन की प्रदर्शनी ने देश-विदेश के आगंतुकों को आकर्षित किया।

> "छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल, माता कौशल्या की जन्मभूमि और संत परंपराओं की पावन धरती है। हमारी सरकार आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शक्तिपीठ परियोजना, रामलला दर्शन योजना, मंदिरों के जीर्णोद्धार, लोक कलाकारों के प्रोत्साहन और धार्मिक पर्यटन के विकास के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को नई ऊर्जा दे रहे हैं। हमारा विश्वास है कि कला समाज की आत्मा है और आस्था हमारी सबसे बड़ी शक्ति। विरासत के संरक्षण और जनसेवा के माध्यम से हम नए, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से सशक्त छत्तीसगढ़ का निर्माण कर रहे हैं।"
>
> **-विष्णु देव साय**
> **मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़**

चिन्हारी योजना

लोक संस्कृति संरक्षण का सशक्त माध्यम

लोक कलाकारों, शिल्पकारों, गायकों और नर्तकों का पंजीयन कर व्यापक डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। चयनित कलाकारों को आर्थिक सहायता, मंचों पर प्रस्तुति के अवसर और प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से नई पीढ़ी को लोक संस्कृति से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना 2026

कलाकारों को सम्मान व संबल

लोकनृत्य, लोकगायन, लोकनाट्य, वाद्ययंत्र, शिल्पकला, पारंपरिक पाककला सहित विभिन्न विधाओं के कलाकारों को प्रतिवर्ष 12 हजार से 24 हजार रूपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कर्मचारियों के लिए विपश्यना अवकाश

अनूठी पहल की शुरूआत

शासकीय कर्मचारियों में मानसिक तनाव दूर करने और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए विपश्यना (ध्यान) शिविरों में जाने के लिए विशेष सवेतन अवकाश की अनूठी पहल शुरू की गई है

संत परंपरा और आध्यात्मिक विरासत को नया सम्मान

कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा को मिली नई पहचान

दामखेड़ा का नाम अब कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा घोषित किया गया है। प्रदेश के विभिन्न संत परंपरा केंद्रों और धार्मिक स्थलों के संरक्षण एवं विकास के लिए योजनाबद्ध कार्य जारी है।

भोरमदेव से कौशल्या धाम तक

धार्मिक पर्यटन का विस्तार

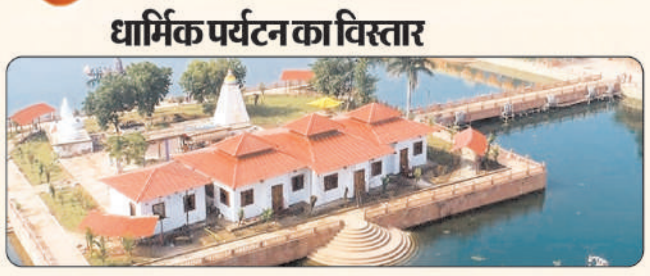

भोरमदेव सर्किट से स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 148 करोड़ रूपये की स्वीकृति मिली है। माता कौशल्या मंदिर, शिवरीनारायण, दंडकारण्य क्षेत्र सहित अन्य स्थलों का विकास कर छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय धार्मिकपर्यटन मानचित्र पर स्थापित किया जा रहा है।

गौ संवर्धन और धार्मिक संरक्षण

सामाजिक समरसता की दिशा में कदम

गौधाम योजना के माध्यम से गौधामों में आवश्यक सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

नया छत्तीसगढ़ : विकास और विरासत का संतुलित मॉडल

आस्था, संस्कृति, पर्यटन और विकास के समन्वय से छत्तीसगढ़ अपनी हजारों वर्षों पुरानी विरासत को सहेजते हुए एक समृद्ध, सुरक्षित और सांस्कृतिक रूप से सशक्त राज्य के रूप में आगे बढ़ रहा है। आज छत्तीसगढ़ विकास की नई इबारत नहीं लिख रहा, बल्कि हजारों वर्षों पुरानी भविष्य की मजबूत नींव भी तैयार कर रहा है।

मुख्य उपलब्धियां

- शक्तिपीठ सर्किट से आध्यात्मिक पर्यटन को नई शक्ति
- हजारों श्रद्धालुओं को तीर्थयात्रा की सुविधाएँ
- लोक कलाकारों का सशक्तीकरण और सम्मान
- युवाओं को छात्रवृत्ति से उज्जवल भविष्य
- धार्मिक धरोहरों का संरक्षण और संवर्धन

आस्था हमारी पहचान, संस्कृति हमारी शान, सेवा हमारा संकल्प

SAMVAD- 48387/1